■ उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सच का साथी..

बी पी एस न्यूज

www.bpsnews.in

(वर्ष-9 अंक-21)

पृष्ठ 8 मूल्य 2/रुपया

सोमवार 24 जून, 2024

जुमला साबित हुआ राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला वाराणसी का वादा 7

डेविड जॉनसन की चौथी मंजिल से गिरकर हुई मौत, खेल जगत में मातम 6

मोदी सरकार पर प्रियंका ने कसा तंज

शिक्षा व्यवस्था को 'माफिया' के हवाले कर दिया

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने 'नीट-यूजी' सहित राष्ट्रीय प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर रविवार को केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार पर निशाना साधा और कहा कि इसने पूरी शिक्षा प्रणाली को ''माफिया'' और ''भ्रष्टाचारियों'' के हवाले कर दिया है। कांग्रेस नेता की इस टिप्पणी के ठीक एक दिन पहले, केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने परीक्षा आयोजित करने के लिए जिम्मेदार निकाय राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के कामकाज की समीक्षा और परीक्षा में सुधार की सिफारिशों के लिए एक समिति गठित की है।

केंद्र सरकार ने शनिवार को राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी के महानिदेशक सुबोध सिंह को हटा दिया और मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट-यूजी' (राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक) में अनियमितताओं की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी।

प्रियंका ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि 'नीट-यूजी' परीक्षा का प्रश्नपत्र ''लीक'' हुआ, वहीं नीट-पीजी, यूजीसी नेट और सीएसआईआर-नेट ''रद्द'' कर दिए गए। उन्होंने पोस्ट में कहा, ''आज, देश की कुछ सबसे बड़ी परीक्षाओं का यह हाल है। भाजपा राज में समूची शिक्षा का ढांचा माफियाओं-भ्रष्टाचारियों के हवाले हो चुका है।''

प्रियंका ने पोस्ट में कहा, ''लालची और चाटुकार किस्म के अयोग्य लोगों के हाथ में देश की शिक्षा और बच्चों का भविष्य

सौंपने की राजनीतिक जिद और अहंकार ने पेपर लीक, परीक्षा रद्द, कैंपस से पढ़ाई-लिखाई का विलोप और राजनीतिक गुंडागर्दी को हमारी शिक्षा-व्यवस्था की पहचान बना दिया है।''

उन्होंने कहा कि हालत यह हो गई है कि भाजपा सरकार साफ-सुथरे ढंग से एक परीक्षा तक नहीं करा सकती। पोस्ट में कहा गया है, ''आज युवाओं के भविष्य के सामने भाजपा सरकार एकमात्र सबसे बड़ी बाधा बनकर खड़ी है। देश के काबिल युवा अपना बेशकीमती समय, सारी ऊर्जा भाजपा के भ्रष्टाचार से लड़ने में गंवा रहे हैं और मजबूर मोदी जी सिर्फ तमाशा देख रहे हैं।''

नीट मामले को लेकर एटीएस ने दो शिक्षकों से पूछताछ की

मुंबई। अधिकारी ने बताया कि इनमें से एक शिक्षक लातूर जिले के एक सरकारी स्कूल में काम करता है। अधिकारी ने कहा कि यदि आवश्यकता हुई तो एटीएस द्वारा इन शिक्षकों को पुनः बुलाया जाएगा।

महाराष्ट्र के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी), 2024 में कथित अनियमितताओं के सिलसिले में लातूर जिले में एक निजी कोचिंग सेंटर चलाने वाले दो शिक्षकों से पूछताछ की।

विमान में बम रखे होने की झूठी सूचना देने के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार

नई दिल्ली। पुलिस ने एक आधिकारिक विज्ञप्ति में बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान तिरुवैयारु के वी. प्रसन्न के रूप में की गयी है। उसे केंद्रीय अपराध शाखा के साइबर अपराध पुलिस थाने के अधिकारियों के एक दल ने गिरफ्तार किया।तमिलनाडु में तंजावुर जिले के 27वर्षीय एक व्यक्ति को हाल में मुंबई जाने वाले इंडिगो एयरलाइंस के एक विमान मेंबम रखे होने की झूठी सूचना देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।पुलिस ने एक आधिकारिक विज्ञप्ति में बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान तिरुवैयारु के वी. प्रसन्न के रूप में की गयी है। उसे केंद्रीय अपराध शाखा के साइबर अपराध पुलिस थाने के अधिकारियों के एक दल ने गिरफ्तार किया। आरोपी ने 18 जून को यहां एयरलाइन के ग्राहक सेवा केंद्र में बम की झूठी सूचना देते हुए दावा किया था कि चेन्नई से मुंबई जा रहे विमान में एक बम रखा हुआ है। विज्ञप्ति के अनुसार, बाद में साइबर अपराध शाखा में एक शिकायत दर्ज करायी गयी। आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

कोच्चि हवाई अड्डे पर 19 करोड़ रुपये की कोकीन जब्त, दो तंजानियाई यात्री गिरफ्तार

केरल में कोच्चि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दो तंजानियाई यात्रियों को गिरफ्तार कर उनके पास से 19 करोड़ रुपये की कोकीन जब्त की गयी है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) ने विशिष्ट सूचना के आधार पर हवाई अड्डे पर एक पुरुष और एक महिला यात्री को गिरफ्तार कर लिया। दोनों पर कोकीन की तस्करी करने का आरोप है।

डीआरआई के एक अधिकारी ने बताया कि पिछले सप्ताह यात्रियों की एक्स-रे जांच की गई थी, जिसमें उनके पेट में कुछ कैप्सूल पाए गए थे। दोनों यात्रियों को हवाई अड्डे के निकट एक निजी अस्पताल ले जाया गया और उनके शरीर से नशीली दवा की गोलियां निकाली गईं।

विज्ञापन कार्यालय-130/4 - बाबू पुरवा कॉलोनी, किदवई नगर, कानपुर

नवीन गुप्ता (विज्ञापन प्रतिनिधि)

बीपीएस न्यूज समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) में विज्ञापन लगवाने के लिए संपर्क करें। मो. 9839625941

जमानत पर दिल्ली हाई कोर्ट की रोक के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे अरविन्द केजरीवाल

राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आबकारी नीति मामले में जमानत दे दी थी, जिसपर दिल्ली हाई कोर्ट ने रोक लगा दी थी। अब दिल्ली हाई कोर्ट के इस फैसले के खिलाफ दिल्ली के सीएम ने रविवार को सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। सामने आई जानकारी के अनुसार, अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा उनकी जमानत पर लगाई गई रोक के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर की। अरविंद केजरीवाल के वकीलों ने कल सुबह सुनवाई की अपील की है। आम आदमी पार्टी ने ये जानकारी दी है।प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ट्रायल कोर्ट के जमानत आदेश को चुनौती दी थी। जस्टिस सुधीर कुमार जैन और रविंदर डुडेजा की अवकाश पीठ ने ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक लगाते हुए कहा, %जब तक हाई कोर्ट मामले की सुनवाई नहीं करता, तब तक रुकें। दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा मामले की सुनवाई किए जाने तक ट्रायल कोर्ट (राउज एवेन्यू) में कोई कार्यवाही शुरू नहीं होगी।ईडी ने अदालत में दलील देते हुए कहा कि धारा 45 की कठोरता पर कोई निष्कर्ष नहीं निकला है। उसने आगे कहा कि, जमानत रद्द करने के लिए इससे बेहतर कोई कारण नहीं हो सकता। सुनवाई दोबारा शुरू होने पर प्रवर्तन निदेशालय का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील ने हाई कोर्ट में ट्रायल कोर्ट का आदेश दिखाया और इसे %चौंकाने वाला% बताते हुए इस पर सवाल उठाए थे।

प्रवर्तन निदेशालय ने कोर्ट में दलील देते हुए आरोप लगाया कि ट्रायल कोर्ट ने जमानत आदेश देने से पहले सामग्री और सबूतों पर गौर नहीं किया। ईडी ने अदालत में अपनी दलील रखते हुए कहा कि ट्रायल कोर्ट ने अप्रासंगिक तथ्यों पर विचार किया है और जमानत देते समय प्रासंगिक तथ्यों पर विचार करने में विफल रही है।

नक्सलियों ने घात लगाकर किया ब्लास्ट, दो कोबरा जवान शहीद

छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में नक्सलियों ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के एक ट्रक को आईईडी से उड़ा दिया है। इस हमले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की विशेष इकाई 'कोबरा' 201 बटालियन के दो जवान, जिनका नाम विष्णु आर और शैलेंद्र बताया जा रहा है, शहीद हो गए हैं। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह विस्फोट राज्य की राजधानी रायपुर से 400 किलोमीटर दूर सुरक्षा बलों के सिलगेर और टेकलगुडेम शिविरों के बीच टिम्मापुरम गांव के पास अपराह्न करीब तीन बजे किया गया।पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने आगे जानकारी देते हुए कहा कि 'कमांडो बटालियन फॉर रेजोल्यूट एक्शन' (कोबरा) की 201वीं इकाई के एक अग्रिम दल ने टेकलगुडेम की ओर सड़क सुरक्षा ड्यूटी के तहत जगरगुंडा पुलिस थाने की सीमा के अंतर्गत सिलगेर शिविर से गश्त शुरू की थी। सुरक्षाकर्मी एक ट्रक और मोटरसाइकिल पर सवार थे। नक्सलियों ने ट्रक को निशाना बनाकर आईईडी धमाका किया, जिसमें कांस्टेबल शैलेंद्र (29) और वाहन चालक विष्णु आर (35) की जान चली गई।अधिकारी ने बताया कि धमाके की सूचना मिलने के बाद अतिरिक्त सुरक्षा बल मौके पर पहुंच गए हैं तथा शवों को जंगल से बाहर निकाला जा रहा है। उन्होंने बताया कि इलाके में तलाशी अभियान जारी है।

नेवी मुंबई मे महिला कांस्टेबल से बलात्कार के आरोप में पुलिस उपनिरीक्षक के खिलाफ मामला दर्ज

ठाणे। महाराष्ट्र के नवी मुंबई में एक शादीशुदा महिला कांस्टेबल के साथ बलात्कार और उत्पीड़न करने के आरोप में 32 वर्षीय एक पुलिस उपनिरीक्षक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यह अपराध 2020 से जुलाई 2022 के बीच सानपाड़ा इलाके में किया गया था। उन्होंने बताया कि आरोपी ने 26 वर्षीय पीड़िता से दोस्ती की और फिर उससे शादी करने का झांसा देकर सानपाड़ा के एक फ्लैट में उसके साथ कई मौकों पर कथित तौर पर बलात्कार किया। दोनों ही मुंबई पुलिस में कार्यरत हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने पीड़िता से समय-समय पर किसी न किसी बहाने से 19 लाख रुपये भी लिए, लेकिन उसने बाद में केवल 14.6 लाख रुपये ही उसे लौटाए। सानपाड़ा पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया कि आरोपी उपनिरीक्षक ने महिला का पीछा भी किया। साथ ही पीड़िता को अपने पति को छोड़ने के लिए भी कहा और ऐसा न करने पर उसे जान से मारने की धमकी दी। अधिकारी ने बताया कि महिला द्वारा मुंबई के पंत नगर पुलिस थाने में दी गई ।

नहीं थम रहा सिलसिला, एक हफ्ते से भी कम समय में ढहा तीसरा निर्माणाधीन पुल

मोतिहारी। बिहार के पूर्वी चंपारण जिले में रविवार को एक निर्माणाधीन छोटा पुल ढह गया, जो राज्य में एक सप्ताह से भी कम समय में तीसरी ऐसी घटना है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना मोतिहारी के घोड़ासहन प्रखंड में हुई, इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। उन्होंने बताया कि अमवा गांव को प्रखंड के अन्य क्षेत्रों से जोड़ने के लिए राज्य के ग्रामीण निर्माण विभाग (आरडब्ल्यूडी) द्वारा नहर पर 16 मीटर लंबा पुल बनाया जा रहा था। इसे 1.5 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जा रहा था।

आरडब्ल्यूडी के अतिरिक्त मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने बताया, घटना का सही कारण अभी तक पता नहीं चला है। यह एक गंभीर मामला है और विभागीय जांच के आदेश दे दिए गए हैं। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा, जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। विस्तृत रिपोर्ट की प्रतीक्षा है। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने कहा कि घटना के सही कारण का पता लगाया जा रहा है।

संपादकीय

लाखों मौतों की जवाबदेही

यूनिसेफ और अमेरिका के स्वतंत्र अनुसंधान संस्थान 'हेल्थ इफेक्ट्स इंस्टीट्यूट' की साझेदारी में जारी रिपोर्ट के वे आंकड़े परेशान करने वाले हैं, जिसमें वर्ष 2021 में वायु प्रदूषण से 21 लाख भारतीयों के मरने की बात कही गई है। दुखद बात यह है कि मरने वालों में 1.69 लाख बच्चे हैं, जिन्होंने अभी दुनिया ठीक से देखी ही नहीं थी। निश्चय ही ये आंकड़े जहां व्यथित व परेशान करने वाले हैं। वहीं नीति-नियंताओं को शर्मसार करने वाले भी हैं कि इस दिशा में अब तक गंभीर प्रयास क्यों नहीं हो रहे हैं। ऐसा नहीं है कि पर्यावरण प्रदूषण संकट से अकेला भारत ही जूझ रहा है। चीन में भी इसी कालखंड में 23 लाख लोग वायु प्रदूषण से मरे हैं। जहां तक पूरी दुनिया में इस वर्ष मरने वालों की कुल संख्या का प्रश्न है तो यह करीब 81 लाख बतायी जाती है। चिंता की बात यह है कि भारत व चीन में वायु प्रदूषण से मरने वालों की कुल संख्या के मामले में यह आंकड़ा वैश्विक स्तर पर 54 फीसदी है। जो हमारे तंत्र की विफलता, गरीबी और प्रदूषण नियंत्रण में शासन-प्रशासन की कोताही को ही दर्शाता है। आम आदमी को पता ही नहीं होता है कि किन प्रमुख कारणों से यह प्रदूषण फैल रहा है और किस तरह वे इससे बचाव कर सकते हैं। सड़कों पर लगातार बढ़ते निजी वाहन,गुणवत्ता के ईंधन का उपयोग न होना, निर्माण कार्य खुले में होना, उद्योगों की घातक गैसों व धुएं का नियमन न होने जैसे अनेक कारण वायु प्रदूषण बढ़ाने वाले हैं। वहीं दूसरी ओर आवासीय कॉलोनियों व व्यावसायिक संस्थानों का विज्ञानसम्मत ढंग से निर्माण न हो पाना भी प्रदूषण बढ़ाने की एक वजह है। दरअसल, अनियोजित कॉलोनियों व बहुमंजिली इमारतों के निर्माण से हवा का वह स्वाभाविक प्रवाह बाधित हुआ है जो वायु प्रदूषण रोकने में मददगार होता था। दीवाली के आसपास पराली जलाने का ठीकरा किसानों के सिरों पर फोड़कर प्रदूषण नियंत्रण की जवाबदेही से मुक्त होने का जो उपक्रम होता है, वह जगजाहिर है।

यूनीसेफ की रिपोर्ट में वायु प्रदूषण से वर्ष 2021 में जिन 21 लाख लोगों की मौत होने का जिक्र है, दुर्भाग्य से उनमें 1,69,400 बच्चे हैं। जिनकी औसत आयु पांच साल से कम बतायी गई है। जानलेवा प्रदूषण का प्रभाव गर्भवती महिलाओं पर होने से बच्चे समय से पहले जन्म ले लेते हैं, इनका शारीरिक विकास भी सही से नहीं हो पाता। इससे बच्चों का कम वजन का पैदा होना, अस्थमा तथा फेफड़ों की बीमारियां हो सकती हैं। हमारे लिये चिंता की बात यह है कि बेहद गरीब मुल्कों नाइजीरिया, पाकिस्तान, बांग्लादेश, इथोपिया से ज्यादा बच्चे हमारे देश में वायु प्रदूषण से मर रहे हैं। विडंबना यह है कि ग्लोबल वार्मिंग तथा जलवायु परिवर्तन के संकट ने वायु प्रदूषण से होने वाली मौतों की संख्या को बढ़ाया ही है। एक अरब चालीस करोड़ जनसंख्या वाले देश भारत के लिये यह संकट बहुत बड़ा है। चिंता की बात यह है कि दक्षिण एशिया में मृत्यु दर का सबसे बड़ा कारण वायु प्रदूषण ही है। उसके बाद उच्च रक्तचाप, कुपोषण तथा तंबाकू सेवन से होने वाली मौतों का नंबर आता है।

दिल-दिमाग तक पहुंच रहे हैं प्लास्टिक कण

ताजा चीनी अध्ययन में 30 रोगियों को शामिल किया गया जबकि मार्च में प्रकाशित इतालवी अध्ययन में 34 महीनों तक 257 रोगियों का अनुसरण किया गया था। इतालवी विज्ञानियों की नेतृत्व वाली टीम ने पता लगाया था कि धमनियों की जमावट अथवा प्लेक में माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी लोगों में दिल के दौरे या स्ट्रोक के जोखिम को बढ़ाती है। अब चीनी टीम ने भी रक्त के थक्कों में माइक्रोप्लास्टिक के स्तर और बीमारी की गंभीरता के बीच संभावित संबंध को रेखांकित किया है। अध्ययन में शामिल 30 रोगियों को स्ट्रोक, दिल का दौरा या डीप वेन थ्रोज़्बोसिस का अनुभव होने के बाद रक्त के थक्कों को हटाने के लिए सर्जरी करानी पड़ी थी।

पृथ्वी पर शायद ही कोई ऐसी जगह बची है जहां माइक्रोप्लास्टिक नहीं पहुंचा हो। हमारे पर्यावरण को दूषित करने के पश्चात प्लास्टिक के अत्यंत सूक्ष्म कण अब मानव अंगों में भी दाखिल हो चुके हैं। मस्तिष्क और हृदय में माइक्रोप्लास्टिक पहुंच चुका है। प्लेसेंटा (नाल) और मां के दूध में भी प्लास्टिक के कण पाए गए हैं। अपनी व्यापक उपस्थिति और संभावित स्वास्थ्य प्रभावों के कारण माइक्रोप्लास्टिक नई चिंताओं को जन्म दे रहा है। इस साल की शुरुआत में एक बड़े अध्ययन में हृदय की अवरुद्ध धमनियों में जमा वसा के 50 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सों में माइक्रोप्लास्टिक पाए गए थे। यह माइक्रोप्लास्टिक और मानव स्वास्थ्य पर उसके प्रभाव के बीच संबंध स्थापित करने वाला अपनी तरह का पहला डेटा था। अब चीन के शोधकर्ताओं ने एक नए अध्ययन में हृदय और मस्तिष्क की धमनियों तथा निचले पैरों की नसों से शल्य चिकित्सा द्वारा निकाले गए रक्त के थक्कों में माइक्रोप्लास्टिक पाए जाने की जानकारी दी है।

ताजा चीनी अध्ययन में 30 रोगियों को शामिल किया गया जबकि मार्च में प्रकाशित इतालवी अध्ययन में 34 महीनों तक 257 रोगियों का अनुसरण किया गया था। इतालवी विज्ञानियों की नेतृत्व वाली टीम ने पता लगाया था कि धमनियों की जमावट अथवा प्लेक में माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी लोगों में दिल के दौरे या स्ट्रोक के जोखिम को बढ़ाती है। अब चीनी टीम ने भी रक्त के थक्कों में माइक्रोप्लास्टिक के स्तर और बीमारी की गंभीरता के बीच संभावित संबंध को रेखांकित किया है। अध्ययन में शामिल 30 रोगियों को स्ट्रोक, दिल का दौरा या डीप वेन थ्रोम्बोसिस का अनुभव होने के बाद रक्त के थक्कों को हटाने के लिए सर्जरी करानी पड़ी थी। डीप वेन थ्रोम्बोसिस एक ऐसी स्थिति है जिसमें पैरों की गहरी नसों में रक्त के थक्के बनते हैं।

अध्ययन में सम्मिलित औसतन 65 वर्ष की आयु के रोगियों में उच्च रक्तचाप या डायबीटिज जैसी विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं थी और उनकी जीवनशैली में धूम्रपान और शराब का सेवन शामिल था। वे प्रतिदिन प्लास्टिक उत्पादों का उपयोग करते थे। रक्त के 30 थक्कों का अध्ययन किया गया। इनमें से 24 में रासायनिक विश्लेषण तकनीकों का उपयोग करके विभिन्न आकारों के माइक्रोप्लास्टिक का पता लगाया गया। परीक्षण में उसी प्रकार के प्लास्टिक की पहचान की गई जो इतालवी अध्ययन में पाए गए थे। ये प्लास्टिक हैं पॉलीविनाइल क्लोराइड (पीवीसी) और पॉलीइथिलीन (पीई)। यह आश्चर्य की बात नहीं है क्योंकि पीवीसी का अक्सर निर्माण में उपयोग किया जाता है। ये दो सबसे अधिक उत्पादित प्लास्टिक हैं।

नए अध्ययन में थक्कों में 'पॉलियामाइड 66' का भी पता चला, जो कपड़े और वस्त्रों में इस्तेमाल होने वाला एक आम प्लास्टिक है। अध्ययन में पहचाने गए 15 प्रकारों में से, पीई सबसे आम प्लास्टिक था। विश्लेषित कणों में इसका हिस्सा 54 प्रतिशत था। शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि जिन लोगों के रक्त के थक्कों में माइक्रोप्लास्टिक का स्तर अधिक था, उनमें डी-डिमर का स्तर भी उन रोगियों की तुलना में अधिक था,जिनके रक्त थक्कों में माइक्रोप्लास्टिक नहीं पाया गया था। डी-डिमर प्रोटीन का एक टुकड़ा है जो रक्त के थक्कों के टूटने पर निकलता है। यह सामान्य रूप से रक्त प्लाज्मा में मौजूद नहीं होता है। इसलिए रक्त परीक्षण में डी-डिमर का उच्च स्तर रक्त के थक्कों की उपस्थिति का संकेत दे सकता है।

शोधकर्ताओं को संदेह है कि माइक्रोप्लास्टिक रक्त में जमा होकर थक्के को बदतर बना सकता है। मानव स्वास्थ्य के लिए माइक्रोप्लास्टिक नुकसानदेह है। लेकिन इसकी जांच के लिए और अधिक शोध की आवश्यकता है। चीनी विज्ञानी टिंगटिंग वांग और उनके सहयोगियों ने अपने पेपर में लिखा है कि उनके निष्कर्ष बताते हैं कि माइक्रोप्लास्टिक धमनियों और नसों के स्वास्थ्य के लिए एक बड़ा जोखिम कारक हो सकते हैं। शोधकर्ताओं ने चेतावनी दी कि पर्यावरण और रोजमर्रा के उत्पादों में माइक्रोप्लास्टिक की सर्वव्यापकता के कारण मानव का माइक्रोप्लास्टिक के संपर्क में आना अपरिहार्य है। अत: दुनिया को प्लास्टिक के उपयोग पर अंकुश लगाना पड़ेगा।

इस बीच, अमेरिका के न्यू मैक्सिको विश्वविद्यालय के नेतृत्व में किए गए शोध में कुत्तों और मनुष्यों, दोनों से लिए गए अंडकोष के ऊतक के नमूनों की जांच की गई। शोधकर्ताओं ने प्रत्येक नमूने में माइक्रोप्लास्टिक पाया, जिसकी प्रचुरता कुत्तों की तुलना में मनुष्यों में लगभग तीन गुना अधिक थी। टीम ने कुत्तों में ऊतक के प्रति ग्राम औसतन 122.63 माइक्रोग्राम माइक्रोप्लास्टिक पाया। मनुष्यों में यह मात्रा प्रति ग्राम 329.44 माइक्रोग्राम थी।

यह अध्ययन हमें यह याद दिलाने के अलावा कि प्लास्टिक प्रदूषण हमारे शरीर के हर हिस्से में कैसे प्रवेश कर रहा है, एक चिंताजनक सवाल उठाता है कि क्या प्लास्टिक के सूक्ष्म टुकड़े पुरुष प्रजनन क्षमता को भी प्रभावित कर सकते हैं? न्यू मैक्सिको विश्वविद्यालय के पर्यावरण स्वास्थ्य वैज्ञानिक ज़ियाओज़ोंग यू कहते हैं, शुरुआत में मुझे संदेह था कि माइक्रोप्लास्टिक प्रजनन प्रणाली में प्रवेश कर सकता है। जब मुझे पहली बार कुत्तों के लिए परिणाम मिले तो मैं हैरान रह गया। जब मुझे मनुष्यों के लिए परिणाम मिले तो मैं और भी हैरान रह गया।

पहचाने गए 12 अलग-अलग प्रकार के माइक्रोप्लास्टिक में से, शोधकर्ताओं को कुत्तों और मनुष्यों दोनों में पॉलीइथिलीन (पीई) प्लास्टिक सबसे ज्यादा मिला जिसका इस्तेमाल प्लास्टिक बैग और प्लास्टिक की बोतलों के निर्माण में होता है। हमारी प्लास्टिक प्रदूषण समस्या में पीई का प्रमुख योगदान है।

मानव ऊतक में शुक्राणुओं की संख्या के लिए परीक्षण नहीं किया जा सका लेकिन शोधकर्ताओं ने कुत्तों के नमूनों में ऐसा किया। उन्होंने पाया कि पॉलीविनाइल क्लोराइड (पीवीसी) प्लास्टिक का उच्च स्तर जानवरों में शुक्राणुओं की कम संख्या से संबंधित है। पीवीसी का व्यापक रूप से कई औद्योगिक और घरेलू उत्पादों में उपयोग किया जाता है, इसलिए चिंता यह है कि प्लास्टिक दुनिया भर में शुक्राणुओं की संख्या में कमी लाने में नकारात्मक भूमिका निभा सकता है। शुक्राणुओं की कमी को पहले से ही भारी धातुओं, कीटनाशकों और कई तरह के रसायनों से जोड़ा गया है। हालांकि, कुत्तों में देखे गए पीवीसी के इन परिणामों को पुरुषों में भी दोहराए जाने की आवश्यकता होगी, ताकि हम समझ सकें कि क्या मनुष्यों में भी ऐसा ही हो रहा है।

10 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस :स्वयं व समाज के लिए योग-हर घर योग

गोंदिया। वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियां को अब विश्वास हो गया है कि भारत जो रणनीति बनाकर पूरी दुनियां में क्रियान्वयन करता है तो उसकी सफलता केदूरगामी परिणामों से सफलता के झंडे गढ़ जाते हैं,जिसकी उम्मीद कोई विकसितदेश भी नहीं कर सकता जिसका सटीक उदाहरण अंतरिक्ष के दक्षिणी ध्रुव में यान,भारत का मोटा अनाज यानें अन्नश्री व योग के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सकारात्मक परिणाम दिखे हैं।हम अगरपिछले 4 महीनों से देखें तो, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2024 की युद्ध स्तरपर तैयारीयां चल रही थी बैक टू हंड्रेड डेस, बैकटू 50 डेस की रणनीति से पूरे देश में गतिविधियां हो रही थी। अभी पिघले 10 दिनों से माननीय पीएम भी रोज उष्ट्रासन, भद्रासन, अर्ध चक्रासन, पादहस्त आसान, त्रिकोणासन, ताड़ासन, वृक्षासन सहित अनेक योगासन के वीडियो मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर रोज़ साझा कर रहे हैं, जो यह साबित करता है कि आम से खास व्यक्तियों में योग दिवस का कितना उत्साह देखा जा सकता है।वैसे योग दिवस पर सोने पर सुहागा यह भी है कि उस दिन अंतरराष्ट्रीय संगीत दिवस भी मनाया जाता है, यानें योग और संगीत का अनोखा योगदान मानवीय स्वास्थ्य को सकारात्मक लाभ पहुंचता है,क्योंकि आज हम देख रहे हैं कि संगीत पर योग का प्रचलन काफी बढ़ गया है, अलग-अलग म्यूजिक बजाकर योग किया जाता है, यानेंआधुनिक डिजिटल युग का प्राचीन योग प्रणाली को आधुनिक संगीत एक और एक मिलकर ग्यारह बन गए हैं और पूरे विश्व को स्वास्थ्य लाभ पहुंचा रहे हैं, जो न केवल भारत के हर गांव से लेकर शहर और मेट्रोसिटी तक गूंज रहा है, बल्कि करीब करीब 190 से अधिक देशों में इसकी झंकार सुनाई दे रही है। चूंकि भारत एक बार फिर योगगुरु व विश्वगुरु की भूमिका में दिखाई दे रहा है, इसीलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, योग दिवस 21 जून 2024 का धरती से लेकर आसमान तक व देश से विदेश तक डंका बज रहा है,योग व संगीत दिवस का अभूतपूर्व संगम, तथा स्वयं व समाज के लिए योग, हर घर योग ।साथियों बात अगर हम 21 जून 2024 को भारत में योग दिवस मनाने की करें तो,पीएम 21 जून को श्रीनगर में 10 वें अंतरराष्?ट्रीय योग दिवस समारोह में रहेंगे। इस वर्ष अंतरराष्?ट्रीय योग दिवस का विषय है- स्वयं और समाज के लिए योग। केंद्रीय आयुषमंत्री कहा कि इस वर्ष का विषय- व्यक्तिगत और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देने में योग की दोहरी भूमिका के महत?व को दर्शाता है। हाल के वर्षों में लाखों लोगों की उत्साहपूर्ण भागीदारी से समुदायों पर योग के गहरे प्रभाव का पता चलता है।इस अवसर पर, दृष्टिबाधित लोगों की सुविधा के लिए ब्रेल लिपि में एक सामान्य योग प्रोटोकॉल पुस्तक का विमोचन किया। उन्होंने योग पर प्रोफेसर आयुष्मान कॉमिक का लोकार्पण भी किया। यह पुस्तक ब'चों को रुचि और मनोरंजन के साथ योग सीखने और अभ्यास करने में मदद करेगी।एक विशेष पहल के रूप में, इस वर्ष भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन-इसरो अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर एक अनूठी पहल अंतरिक्ष के लिए योग का आयोजन कर रहा है। इसरो के सभी वैज्ञानिक और अधिकारी सामान्य योग प्रोटोकॉल दिशानिर्देशों के अनुसार एक साथ योग करेंगे। गगनयान मिशन के सदस?य भी योगाभ्यास करके अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के वैश्विक अभियान में शामिल होंगे।योग के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी और स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने के लिए आयुष मंत्रालय ने माई गॉव पोर्टल और माई भारत पोर्टल पर योगा टेक चैलेंज शुरू किया है।केंद्रीय आयुष रा'य मंत्री ने इस बात पर बल दिया है कि इस वर्ष का विषय स्वयं और समाज के लिए योग व्यक्तिगत और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देने में योग की दोहरी भूमिका को परिलक्षित करता है।उन्होंने कहा,योग शारीरिक मानसिक और आध्यात्मिक विकास के साथसाथ सामाजिक सद्भाव को भी बढ़ावा देता है।साथियों बात अगर हम योग दिवस के उद्देश्यों और महत्व की करें तो, इसका उद्देश्य योग अभ्यास के असंख्य लाभों के बारे में वैश्विक जागरूकता पैदा करना है।प्रस्ताव में व्यक्तियों और समुदायों द्वारा स्वस्थ विकल्प चुनने तथा अ'छे स्वास्थ्य को बढ़ावा देने वाली जीवनशैली अपनाने के महत्व को स्वीकार किया गया है।इसके अनुरूप, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सदस्य देशों से अपने नागरिकों को शारीरिक निष्क्रियता कम करने के लिए प्रोत्साहित करनेका आग्रह कियाहै, जो दुनिया भर में मृत्यु का एक प्रमुख कारण है और हृदय संबंधी बीमारियों, कैंसर और मधुमेह जैसी गैर-संचारी बीमारियों के लिए एक प्रमुख जोखिम कारक है हालांकि योग में सिर्फ़ शारीरिक गतिविधि ही शामिल नहीं है। जैसा कि प्रसिद्ध योगा भ्यासकर्ता स्वर्गीय बी.के.एस. अयंगर ने कहा था, योग रोज़मर्रा की ज़िंदगी में संतुलित मानसिकता विकसित करता है और काम करने में कुशलता बढ़ाता है। इसके अनेक लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाने का एक तरीका है।योग मन और शरीर का एक अभ्यास है जिसका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

यह तनाव को कम करने, लचीलेपन में सुधार करने और ताकत बढ़ाने में मदद कर सकता है। यह दुनिया भर में योग के अभ्यास को बढ़ावा देने का एक तरीका है।योग एक सार्वभौमिक अभ्यास है जिसका आनंद सभी आयु और क्षमताओं के लोग उठा सकते हैं।यह आपके शरीर और मन से जुड़ने तथा आपके समग्र स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का एक शानदार तरीका है। यह भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाने का एक तरीका है।योग की उत्पत्ति हजारों वर्ष पहले भारत में हुई थी और यह आज भी भारतीय संस्कृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस इस परंपरा का सम्मान करने और इसे दुनिया के साथ साझा करने का एक तरीका है। यह शांति और सद्भाव को बढ़ावा देने का एक तरीका है।योग एक अभ्यास है जो हमें वर्तमान क्षण पर ध्यान केंद्रित करना है।

किशन सनमुख़दास भावनानी

कानपुर में चला चेकिंग अभियान तेज

बीपीएस न्यूज

कानपुर। यातायात निदेशालय उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाये जा रहे अभियान के तहत पुलिस उपायुक्त पूर्वी द्वारा थाना क्षेत्र बादशाही नाका,फीलखाना,मूलगंज,थाना कोतवाली,अन्तर्गत वाहनों में हूटर,ब्लैक फिल्म,पुलिस कलर,के विरूद्ध अभियान चलाकर वैधानिक कार्यवाही की गई और रोड़ के किनारे लगाये हुए अवैध अतिक्रमण व फलों के ठेलों को हटवाया गया एवं नो-पार्किंग में खड़े वाहनों पर वैधानिक कार्रवाई की गई इस मौके पर थाना प्रभारी मूलगंज सहित हेड कांस्टेबल अनुज,अमित,उप निरीक्षक गणेश,विजय सिंह,यू टी खुशबू यादव आदि पुलिस मौजूद रही ।

लीक से हटकर क्यों बिक रहीं प्रतियोगी परीक्षाएं

पंकज कुमार मिश्रा, व्यंग्यकार / पत्रकार जौनपुर, यूपी

नीट और नेट दोनों परीक्षाओं ने सरकारी एजेंसियों की पोल खोल कर रख दी। पेपर लीक को लेकर जो विवाद सामने आया है वह नया नहीं है आहिस्ता आहिस्ता उसका एक बड़ा स्वरूप कुछ गलतियों के कारण अब खुलकर सामने आया है। इससे पहले भी यह होता रहा पर सब गुपचुप तरीके से पर तब सारी व्यवस्था नीट और क्लीन ही समझी जाती रही। नीट परीक्षा की सुचिता पर अनगिनत सवाल उठाए गए ।नीट में जो कुछ हुआ उसके तमाम सच सामने आ गए हैं किन्तु यदि कार्रवाई भी हुई तो वह किसी अदने कारखास पर होकर समाप्त हो जाएगी या पुन: परीक्षा की एक नौटंकी । आला अधिकारी एक बार फिर बच जायेगा राम गोविन्द चौधरी की तरह। तिकड़मी लोगों के गिरोह इस दस साल में इतने पनपे हैं कि उन्हें किसी का डर नहीं। इन तिकड़मी लोगों को विपक्ष से जोड़कर देखें तो यह इंगित करता है कि किस तरह हर तरह के षड्यंत्रों और घपलों की इसे खरीदने वालों को दी गई है ।जब विज्ञापन 48 और 50 की हायर एजुकेशन के सीटे पचीस पचीस लाख में बिकने की खबर वायरल हुईं उससे अब यें नीट या नेट परीक्षा में जो कारगुजारियां दिखाई दी हैं वह तो सामान्य ही लगती हैं।सब जांच के घेरे में आनी चाहिए। पर निष्पक्ष जांच की उम्मीद अब कहां है ? जहां तक पेपर लीक का मामला है वह नया नहीं है सब चल रहा है बरसों से उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश, गुजरात प्रदेशों की बोर्ड परीक्षाओं में जब शिक्षकों से यह कहा जाता है कि रिजल्ट बिगड़ा तो उसकी खैर नहीं तो वह विद्यार्थियों के लिए नकल की तरकीबें निकाल लेता है मेरिट चाहिए तो वह भी। आसान तरीका बता देता है कि फलां फलां सेंटर में इतने लाख जमा करो परीक्षा में बैठो और जैसा चाहो वैसा रिजल्ट बनाओ। ये सब खुलेआम होता रहा किसी पर कोई कार्रवाई नहीं हुई तो नीट जैसी परीक्षाएं कैसे अछूती रह सकती हैं। बड़ी राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा है बहुत मायने रखती हैं और बहुत कमाई का जरिया भी पनपती है।

उत्तर प्रदेश 2011 टीईटी मेरिट घोटाला और मध्यप्रदेश प्रदेश में व्यापम काफ़ी चर्चित रहे। जो इस प्रकार के धांधली के जीते जागते गवाह थे। इसकी नाटकीय कितनी जांच पड़तालें चली पर सब धुआं बन के उड़ गई। सुधार ये हुआ कि व्यापम नाम बदल दिया गया और 2011 के योग्य बेरोजगार आज भी दर दर की ठोकरे खा रहें । पिछले सालों में यहां पटवारी भर्ती परीक्षा का हाल भी ठीक नीट की तरह ही था एक सेंटर से पांच छै ढपोरशंख मेरिट में आए, जाँच कराइये देखिए जितने लेखपाल बने है सब जुगाड़ से बने है । ऐसे टॉपरो से ज़ब पत्रकार मिलने पहुंचे तो उनमें से चयनित उम्मीदवार सामान्य यूपी और मध्यप्रदेश की जानकारी और पेपर में आए सरल सवाल के उत्तर नहीं दे पाए मुंह चुराते रहे और कुछ भाग खड़े हुए।तब भी खूब विरोध हुआ पर हुआ कुछ नहीं वे सब सरकारी नौकरी शान से कर रहे हैं। बाकी पुलिस से पिटे लोग ठगे से घर में बैठे हुए हैं। इस दौर में चुनावों के आस पास वोट लालच में राज्यों में नौकरियां दबाव वश साजिश के तहत खूब खूब निकाली जाती रहीं आवेदन के नाम पर बेरोजगार युवाओं से लंबी फीस वसूली गई। परीक्षाएं सालों बाद विलंब से हुई फिर पेपर आउट किए जाते रहे परीक्षाएं निरस्त होती रहीं 2011 के शिक्षक भर्ती परीक्षा के लिए तीन-तीन बार आवेदन शुल्क वसूला गया, करोड़ों लूट लिए गए बेरोजगार छात्रों से पर रोजगार किसी को नहीं मिला उनकी उम्र निकल गई। मिडिया ने इस मुद्दे को खूब सिलसिलेवार उछाला पर इक्का दुक्का परीक्षा के सिवा कोई बात नहीं बनी। आज़ नीट और नेट परीक्षा के प्रभावित छात्र आंदोलन रत हैं विपक्ष उनके साथ खड़ा है पर क्या इस सरकार से आप उम्मीद कर सकते हैं जो पिछले ओवर एज बेरोजगार है उन्हें बुलाकर ससम्मान नौकरी दें सकती है ! ईडी, सीबीआई वगैरह कब ऑफिस बाबुओ और बड़े अधिकारीयों के घर छापेमारी करेंगी ! इस प्रणाली के ज़रिए येन-केन प्रकारेण फिर कोई सीन नहीं होगा क्या गारंटी ! नीट और क्लीन शिक्षा और रोजगार की हमारी उम्मीदें समाप्त है और युवाओं के भविष्य की बुनियाद ना केवल परीक्षाओं से बल्कि हमारे चर्चाओं से समाप्त हो जाएगी।

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 8423454502, bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बी.पी.एस. न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे। - सज्जादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक, साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

सम्पर्क करें -:

मो.: 8423454502

email:bps.knp786@gmail.com

ग्रीनपार्क में मेगा इवेंट की तरह योगा

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का जनपद स्तरीय कार्यक्रम में पहुंचे प्रभारी मंत्री नंद गोपाल गुप्ता

बीपीएस न्यूज

कानपुर। महा नगर में उत्साह उल्लास व उमंग के साथ 10वाँ अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का जनपद स्तरीय कार्यक्रम मेगा इवेन्ट के रुप में ग्रीन पार्क स्टेडियम में आयोजित किया। वहीं मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्जवलन कर शुभारम्भ किया। इस मेगा इवेन्ट मे लगभग पांच हजार लोगो ने प्रतिभाग किया। यह आयोजन जिला प्रशासन एवं कानपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के सहयोग से आयोजित किया गया।कार्यक्रम में जनप्रतिनिधिगण, डाक्टर, इंजीनियर, व्यवसायी, उद्योगपति, शिक्षाविद, मीडिया कर्मी, सरकारी अधिकारी/कर्मचारी व अन्य वालंटियर्स द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम में बंगलौर आश्रम से आये आर्ट ऑफ लिविंग के योगाचार्य विक्रांत त्रिपाठी व उनकी टीम द्वारा योग व ध्यान कराया गया। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण के एक बड़े लक्ष्य की दिशा में एक छोटे से योगदान के रुप में प्रशासन द्वारा कार्यक्रम में आये सभी प्रतिभागियों को एक पौध इस संकल्प के साथ उपलब्ध कराया गया, कि पौध को रोपण कर उसको संरक्षित करेंगे। मंत्री औद्योगिक विकास उ0प्र0 नंद गोपाल गुप्ता (नन्दी) ने कहा कि योग भारत की प्राचीन विधि है, करे योग-रहें निरोग योग मनुष्य को स्वस्थ रखने के लिए बहुत आवश्यक है,इसलिए प्रधानमंत्री जी ने योग पर जोर दिया ।प्रधानमंत्री जी ने प्रस्ताव रखा की 21 जून को योग दिवस के रूप में मनाया जाएगा,और आज पूरी दुनिया योग दिवस मना रही है ।मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश के 75 जनपदों में योग दिवस का कार्यक्रम बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है,जिसमें 57 जनपदों में उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्रीगण व अन्य जनपदों में जनप्रतिनिधि गण व शासन के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया है,इसके साथ ही

योगाभ्यास कार्यक्रम में लोगों द्वारा भी बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया गया। योग एक दिन का हिस्सा ना रहे यह प्रत्येक भारतीय के मन में रहे की करें योग-रहे निरोग। उन्होंने कहा कि जब लोग स्वस्थ होंगे तो देश स्वस्थ होगा, भारत विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है और इसके लिए यह आवश्यक है कि देश के लोग स्वस्थ रहें और देश को आगे बढ़ाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते रहे। उन्होंने कहा कि हमारे देश की ऋषियों-मुनियों की जो परंपरा है, आज पूरी दुनिया उसको स्वीकार कर रही है। जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि ग्रीन पार्क स्टेडियम में जनपद स्तरीय वृहद कार्यक्रम का आयोजन किया गया,इसके साथ ही योग दिवस का कार्यक्रम पार्कों, विभिन्न सरकारी व निजी संस्थाओं,विकास खंडों,ग्राम पंचायतों इत्यादि स्थानों पर आयोजित किया गया। जिसमें लोगो द्वारा बढ-चढ कर प्रतिभाग किया गया। उन्होंने कहा कि लोग योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं,लोगों को प्रेरित करने के लिए प्रत्येक वर्ष एक बड़े स्तर पर योग का कार्यक्रम आयोजित किया जाता है,जिससे लोग प्रेरित होकर प्रतिदिन योगाभ्यास करें और स्वस्थ रहें। इस अवसर पर मंत्री औद्योगिक विकास उ0प्र0/ प्रभारी मंत्री जनपद कानपुर नगर नन्द गोपाल गुप्ता (नन्दी), महापौर प्रमिला पाण्डेय,सांसद रमेश अवस्थी,जिला पंचायत अध्यक्ष स्वप्निल वरूण,विधायक सुरेन्द्र मैथानी,एम0एल0सी0 अविनाश सिंह चौहान,प्रमुख सचिव उ0प्र0 शासन/नोडल अधिकारी जनपद कानपुर नगर अनुराग श्रीवास्तव,पुलिस आयुक्त अखिल कुमार,अपर पुलिस महानिदेशक आलोक सिंह, जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह, वी0सी0 के0डी0ए0 मदन सिंह, नगर आयुक्त शिवशरणप्पा,मुख्य विकास अधिकारी सुधीर कुमार, अपर जिलाधिकारी (नगर) डॉ राजेश कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

त्योहार का रुप लिया योग दिवस ने सांसदों, विधायकों व अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी खूब चलाए हाथ- पैर

प्राचीन काल में भारतीयों का जीवन ही योगी जीवन था

बीपीएस न्यूज

कानपुर। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शुक्रवार को शहर के गली, मुहल्ले व घर घर योग की धूम रही ।सुबह सबेरे से ही लोग पार्को व सार्वजनिक स्थानों पर योग के लिए निकल पडे ।लोगों के उत्साह को देख ऐसा लग रहा था कि जैसे वे कोई त्यौहार मनाने जा रहे हो ।शहर का कोई ऐसा पार्क नही था जँहा योग के कार्यक्रम आयोजित न किए जा रहे हो ।हर जगह लोगों का उत्साह देखते बन रहा था ।बच्चे ,महिलाएं, नौजवान व बुजुर्ग सभी योग करते नजर आए ।जनप्रतिनिधियों सांसदों, विधायकों व पार्षदों ने भी इस योग दिवस पर पार्को मे योग गुरुओ के सानिध्य मे खूब हाथ-पैर चलाए।

गोबिन्द नगर एच ब्लाक स्थित अमर शहीद मेजर अविनाश सिंह भदौरिया पार्क मे पंतजलि योग पीठ,कानपुर दक्षिण के बैनर तले आयोजित कार्यक्रम मे सैकडों की संख्या मे लोग योग करने पहुंचे ।यंहा पंतजलि योग पीठ के प्रमुख योगाचार्य राकेश यादव ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने एवं योग को वैश्विक पहचान देने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं योग गुरु बाबा रामदेव जी की महती भूमिका है। योग भारत की प्राचीन परंपरा का अमूल्य उपहार है।

यह मन और शरीर की एकात्मता, विचार और कार्य, संयम और सम्पूर्णता, मनुष्य और प्रकृति के बीच सामंजस्य, स्वास्थ्य एवं कल्याण के लिए एक समग्र दृष्टिकोण का प्रतीक है ।योग हमारी जीवन शैली को बदलकर और चेतना जागृत कर कल्याण में सहायता कर सकता है। वास्तव में योग हमारे मन मस्तिष्क को स्थिरता प्रदान करता है। शांति प्रदान करता है ।धैर्य प्रदान करता है ।भारत का प्राचीन योग एक-दो घंटे का नहीं था बल्कि भारतीयों का जीवन ही योगी जीवन था और योग ही जीवन का मूल आधार था। योग तन और मन दोनों को शांत कर सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने में मददगार होता है।

योगाभ्यास शिविर में योग शिक्षको ने ओम का उच्चारण, त्राटक क्रिया, सिद्धासन, सूर्य नमस्कार, सिंहासन, ताड़ासन भ्रामरी प्राणायाम, अनुलोम विलोम, कपालभाति, भुजंगासन, शवासन समेत अन्य योगाभ्यास करते हुए इनके लाभ एवं महत्व पर प्रकाश डाला ।इसके पूर्व दीप प्रज्जवलन कर योग के कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। संचालन योग शिक्षक एवं राकेश यादव तथा श्रीमती डा.संतोष अरोडा ने किया ।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रकाश वीर आर्य, विकास दूबे, सुनील नारंग,दिलीप सिंह,शालू आर्य ,सुशील वधावन,सुमन जैन, निशा दीक्षित,अरूण कुमार बाजपेयी, विशाल साहनी, हरीश अरोड़ा,सोनू शर्मा आदि रहे।

सांसद रमेश अवस्थी, सांसद देवेन्द्र सिंह भोले,विधायक सुरेन्द्र मैथानी, विधायक महेश त्रिवेदी, विधायक निलीमा कटियार, एमएलसी मानवेन्द्र सिंह,एमएलसी अरूण पाठक, एमएलसी सलिल विश्नोई ने भी अपने अपने घर के निकट पार्कों में युग गुरुओं के सानिध्य में खूब हाथ-पैर पटके।

नीट परीक्षा में धांधली कांग्रेस उतरी सड़क पर, किया विरोध प्रदर्शन

बीपीएस न्यूज

कानपुर, शहर कांग्रेस कमेटी कानपुर नगर द्वारा देश में हो रही तमाम प्रतियोगी परीक्षाओं में धांधली और उसके पेपर लीक और हाल ही में नीट परीक्षा में अनियमितताएं व पेपर लीक हुए इसके विरोध में सभी कांग्रेस जनों द्वारा पैदल मार्च निकालकर जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर विरोध प्रदर्शन करते हुए नारे लगाए गए सरकार वीक, पेपर लीक शिक्षा मंत्री इस्तीफा दो केंद्र सरकार मुर्दाबाद 卐इसके उपरांत राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिला अधिकारी कानपुर नगर के अनुपस्थिति में एससीएम 4 सत्य प्रकाश को दिया गया और परीक्षा रद्द करने की मांग की गई ।शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नौशाद आलम मंसूरी और निवर्तमान लोकसभा प्रत्याशी आलोक मिश्रा पूर्व विधायक संजीव दरियाबादी और सोहेल अख्तर अंसारी ने वहां मौजूद प्रेस के साथियों को संबोधित करते हुए कहा नीट यूजी 2024 का परिणाम 4 जून 2024 को जारी हुआ था जिसमें कई अनियमितताएं जाहिर हुई पेपर लीक का आरोप भी अभ्यर्थियों द्वारा लगाया गया !विरोध प्रदर्शन व ज्ञापन देने वालों में प्रमुख रूप से मदन मोहन शुक्ला, दिलीप शुक्ला,करिश्मा ठाकुर, पवन गुप्ता , नरेश त्रिपाठी,राजेश गौतम, लल्लन अवस्थी, अजय त्रिपाठी, नागेंद्र यादव, मोहम्मद तारिक, सहित सैकड़ों कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

हेड कांस्टेबल की लू लगने से मौत

बीपीएस न्यूज

कानपुर जिले में ड्यूटी पर तैनात एक हेड कांस्टेबल की कथि तौर पर लू लगने से मौत हो गई। सोशल मीडिया पर सामने आये एक वीडियो में यह देखा जा सकता है कि हेड कांस्टेबल बेहोश पड़ा हुआ है जबकि एक दारोगा उसका वीडियो बना रहा है।

हेड कांस्टेबल की पहचान बृज किशोर (52) के रूप में हुई, जिसकी अस्पताल ले जाने में देरी के कारण मौत हो गई। हालांकि, पुलिस पर लगाये गये लापरवाही बरतनेके आरोप जांच में गलत पाए गए ।सहायक पुलिस आयुक्त (कलेक्टरगंज) मोहम्मद मोहसिन खान ने बुधवार को पीटीआई- को बताया कि रिजर्व पुलिस लाइन से सम्बद्ध झांसी निवासी हेड कांस्टेबल ब्रज किशोर मंगलवार को झांसी के लिए ट्रेन पकड़ने कानपुर सेंट्रल स्टेशन गए थे। वह स्टेशन गेट के पास पहुंचा ही था कि उसे चक्कर आ गया ।खान ने बताया कि ब्रज किशोर किसी तरह पास की एक दुकान तक जाने में कामयाब रहे, जहां वह बेहोश हो गए। बाद में उसे पास के एक पुलिस बूथ पर ले जाया गया, जहां दारोगा जग प्रताप सिंह हेड कांस्टेबल के स्वास्थ्य का जायजा लेने पहुंचा ।खान के मुताबिक, जांच के दौरान यह पाया गया कि दारोगा ने जान बचाने के लिए ब्रज किशोर को पानी दिया था और प्राथमिक उपचार भी दिया था। दारोगा ने कांस्टेबल से उसके बारे में जानकारी मांगते हुए एक वीडियो बनाया था कि क्या उसके साथ कोई अप्रिय घटना हुई थी। उन्होंने कहा, दारोगा ब्रज किशोर को अस्पताल भी ले गया था जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

अरबन सीलिंग की जमीन पर चला बुलडोजर बाबा

73 सौ वर्ग मीटर, 14 करोड की जमीन कब्जा मुक्त करायी,सरकारी जमीन पर कब्जा करने वालों के विरुद्ध अभियान लगातार चलता रहेगा: एसडीएम

बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिला प्रशासन और केडीए ज्वाइंट एक्शन टीम ने अरबन सीलिंग की जमीन पर अवैध ढंग से कब्जा करने वालों के विरुद्ध बुलडोजर (बैकहो लोडर) चलवा दिया।

सदर तहसील अंतर्गत सतबरी और सकरापुर में निर्माण ढहाकर 14 करोड़ों रुपये की जमीन कब्जा मुक्त कराई गई। इससे अवैध कब्जेदारों में हलचल मच गई। एसडीएम सदर प्रखर कुमार सिंह ने बताया कि सरकारी जमीन पर कब्जा करने वालों के विरुद्ध अभियान लगातार चलता रहेगा।

एसडीएम सदर बताया कि केडीए सचिव की ओर से जमीन पर अवैध कब्जे की शिकायत पर जांच कराई । यहां ग्राम सतबरी आराजी संख्या 166 अरबन सीलिंग रकबा 4100 वर्ग मीटर, सतबरी आराजी संख्या 188 अरबन सीलिंग रकबा 600 वर्ग मीटर, सकरापुर आराजी संख्या 409 अरबन सीलिंग रकबा 2600 वर्ग मीटर कुल 73 सौ वर्ग मीटर जमीन पर कब्जा मिला। इसके बाद जिला प्रशासन, प्राधिकरण की संयुक्त टीम के साथ कब्जे ढहाए गए। वर्तमान में बाजार मूल्य के हिसाब से इस जमीन की कीमत लगभग 14.60 करोड़ रुपये है। पूरे क्षेत्र में ऐसी जमीनों का चिह्नांकन किया जा रहा है। इनके विरुद्ध भी रिपोर्ट तैयार कराकर कार्रवाई की जाएगी।

सनातन मठ मंदिर रक्षा समिति ने सांसद रमेश अवस्थी को सौंपा ज्ञापन, शहर की समस्याओं पर चर्चा

कानपुर। सनातन मठ मंदिर रक्षा समिति के पदाधिकारियों ने सांसद रमेश अवस्थी से भेंट की और नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार सरकार बनने पर उन्हें हार्दिक बधाई दी। समिति ने सांसद जी को शहर की प्रमुख समस्याओं का एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा ।सांसद रमेश अवस्थी ने ज्ञापन को गंभीरता से पढ़ा और आश्वासन दिया कि वे इन समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से करेंगे। उन्होंने कहा कि चुनाव जीतते ही शहर की समस्याओं के निराकरण के लिए कार्य शुरू कर दिया गया है। सांसद जी की तत्परता और समर्पण के लिए हम सभी नगरवासी कृतज्ञ हैं। हमें पूर्ण विश्वास है कि उनके नेतृत्व में कानपुर का सर्वांगीण विकास होगा ।ज्ञापन में मुख्य रूप से निम्नलिखित समस्याओं का उल्लेख किया गया !मंधना-अनवरगंज रेल लाइन लंबे समय से लंबित इस परियोजना का समाधान ।नौबस्ता से पाण्डु नदी तक रोड चौड़ीकरण ट्रैफिक जाम से निजात खेल सुविधाएं ब' चों के लिए खेल सुविधाओं का विकास।

चौराहों के जाम से मुक्ति चावला मार्केट, नन्दलाल चौराहा और फंजलगंज जैसे प्रमुख चौराहों पर पुल निर्माण ।मेडिकल सुविधाएं कानपुर में एम्स की स्थापना !एयरपोर्ट का विस्तार प्रमुख शहरों के लिए उड़ानें और सस्ती दरें ।डिफेंस कारीडोर से फोर लेन रोड बेहतर सड़क कनेक्टिविटी ।घाटमपुर चीनी मिल मिल की पुन स्थापना और एथेनाल प्लांट ।कानपुर मेट्रो का विस्तार चौबेपुर रामादेवी और रमईपुर तक ।पांडु नदी का पुनर्जीवन नालों का रोकथाम और पुनर्जीवन ।सांसद ने समिति को विश्वास दिलाया कि वे केंद्रीय मंत्रियों से मिलकर इन समस्याओं का समाधान शीघ्र कराएंगे। समिति ने सांसद की तत्परता, समर्पण और कानपुर के विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की सराहना की ।इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष अजय कुमार द्विवेदी, उपाध्यक्ष सुधीर चन्द्र द्विवेदी, महामंत्री गोपाल दीक्षित, कोषाध्यक्ष हरिशंकर शुक्ल, रविशंकर तिवारी, जलिाध्यक्ष उमेश तिवारी, पियूष तिवारी, राजीव दीक्षित, शुभम तिवारी, पंकज तिवारी, सुबोध गुप्ता, रवि सक्सेना, अर्जित गुप्ता और मंयक तिवारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी सत्ता पक्ष व विपक्ष के विधायकों व सांसदो के कार्यालयों में खाट बिछाकर करेगी प्रदर्शन

कानपुर। दिव्यांगजनों का सरकारी नौकरियों में आरक्षण कोटा पुरा करवाने, सामाजिक समानता कानून बनाकर नौकरी, रोजगार, स्वास्थ, शिक्षा, सुरक्षा की सौ फसदी गारन्टी देने की मांग को लेकर राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी सत्ता पक्ष व विपक्ष के विधायकों व सांसदो के कार्यालयों में खाट बिछाकर प्रदर्शन करेगी। राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार ने बताया कि आन्दोलन की शुरूआत कानपुर से होगी। उसके बाद पुरे देश में मांगों को लेकर आन्दोलन किया जाएगा। आन्दोलन की शुरूआत विपक्ष के विधायक अमिताब बाजपेई व सत्ता पक्ष के विधायक सुरेन्द मैथानी के यहाँ से होगी। वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि सरकार दिव्यांगजन को आन्दोलन के लिये मजबुर कर रही है। दिव्यांगजन नौकरी, रोजगार, ईलाज व शिक्षा के लिये मारे मारे घुम रहे है। कानपुर उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा जिला व मण्डल है एक भी प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा के लिये सरकारी विद्यालय नहीं है।

सरकारी विभागों में दिव्यांगजन के रिक्त पद हैं सरकार उन्हें भर नहीं रही है।

मातम में बदलीं खुशियां

बहन की शादी के लिए तिलक चढ़ाने आए भाई की करंट लगने से मौत

बीपीएस न्यूज

कानपुर। चौबेपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में बहन का रिश्ता तय होने के बाद तिलक चढ़ाने आये भाई की करंट की चपेट में आकर मौके पर ही मौत हो गई. परिजन और स्थानीय तुरंत उसे लेकर अस्पताल पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया. शादी की खुशियां पल भर में मातम में बदल गईं.घटना चौबेपुर थाना क्षेत्र के जगुआपुरवा गांव की है. गांव निवासी रामदास के बेटे विकास का गुरुवार को तिलक होना था. शाम को घाटमपुर के भगवंतपुर से राकेश कुमार परिजनों के साथ अपनी बेटी का तिलक चढ़ाने जगुआपुरवा गए हुए थे. रात में तिलक के बाद सभी लोग खाना खा रहे थे. डीजे पर डांस चल रहा था. उसी दौरान लड़की के भाई रोहित (23) पुत्र राकेश ने टेंट को पकड़ लिया.रोहित को पता नहीं था कि टेंट में करंट दौड़ रहा है. टेंट पकड़ते ही रोहित करंट की चपेट में आ गया. करंट से वह तड़पने लगा, जब तक कोई कुछ समझ पाता रोहित अचेत हो गया. परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे. लेकिन, डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना का निरीक्षण कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. पिता राकेश ने बताया, कि तिलक चढ़ाने के दौरान बेटा रोहित करंट की चपेट में आ गया. मौके पर ही उसकी मौत हो गई. ग्राम प्रधान ने मदद दिलाने का आश्वासन दिया है.

प्रवर्तन दल ने 485 बोरी कैरीबैग पन्नी से लदा ट्रक पकड़ा, वसूला गया एक लाख रुपए का जुर्माना

बीपीएस न्यूज

कानपुर। प्रवर्तन अधिकारी कर्नल आलोक नारायण के नेतृत्व में देर रात यशोदा नगर बायपास पर 485 बोरी कैरीबैग पन्नी से लदा एक ट्रक यूपी 58टी 52×6 पकड़ा। तत्काल ही इस ट्रक को नगर निगम परिसर में खड़ा कर दिया गया ।जांच पड़ताल में ट्रक में लदी पन्नी की खेप का कुल वजन 14,260 किलो (सवा चौदह टन) निकला। ट्रक मालिक से राजस्व निरीक्षक विकास कुमार द्वारा एक लाख रुपए जुर्माना वसूला गया ।यह माल ट्रांसपोर्ट नगर से फर्जी बिलों पर नैनी, प्रयागराज जा रहा था ।इस अभियान में प्रवर्तन दल के सूबेदार अवधेश सिंह, लक्ष्मण सिंह, वीरेंद्र स्वरूप, रामेंद्र सिंह, हवलदार इंद्रजीत, राम नरेश, जितेंद्र सिंह, भूपेंद्र, धनंजय, राज नारायण, जितेंद्र बहादुर, गोविंद मिश्रा, मोहित इत्यादि शामिल रहे।

नौबस्ता थाना प्रभारी पर प्लॉट कब्जा करवाने का लग रहा आरोप

बीपीएस न्यूज

कानपुर। थाना नौबस्ता पुलिस के प्रभारी निरिक्षक पर एक महिला के साथ मिली भगत से मकान कब्जा कराने के आरोप में कानपुर प्रेस क्लब में प्रेस वार्ता करते हुए धीरेंद्र सिंह ने आरोप लगाते हुए बताया कि मछरिया में उनका एक प्लॉट है जिसका बाकायदा बैनामा है और राजस्व न्यायालय द्वारा खतौनी में दर्ज किया जा चुका है उसके बाद भी कब्जे की नीयत से नौबस्ता प्रभारी निरीक्षक एक महिला जिसका नाम उर्मिला है जबरन प्लाट खाली करवाना चाहते हैं और उनके ऊपर एक फर्जी मुकदमा भी दर्ज कर दिया है इसके संबंध में पुलिस के अधिकारियों से न्याय की गुहार लगाई है धीरेंद्र सिंह ने बताया कि प्लॉट में उनकी मां रह रही है और उनकी भी जान को खतरा बना हुआ है और मेरे गवाह को धोखे से थाने बुलाकर थाना प्रभारी ने कहा कि मकान खाली कर दो नहीं तो तुमको मुकदमे में जेल भेज देंगे वही धीरेंद्र ने बताया कि मैं बहुत गरीब व्यक्ति हूं मां को आंखों से दिखाई नहीं पड़ता है वृद्धावस्था होने कारण कई गंभीर बीमारियों से पीड़ित है वही उनको थाने में बैठाए जाने कारण उनका गहरा सदमा पहुंचा वहीं थाना प्रभारी के इस बेचा कृत्य से उनकी जान भी जा सकती थी। वही प्रार्थी थाना प्रभारी के भयवश अपने घर भी नहीं जा रहा प्रार्थी थाना प्रभारी के इस व्यवहार से यकीन हो गया है कि वह मुकदमा वादिनी से मिलकर मेरे मकान पर कब्जा करना चाहते हैं और मैंने इसकी शिकायत मुख्यमंत्री पोर्टल पर भी कर दी है।

जैन शोधपीठ का सीएसजेएम यूनिवर्सिटी में हुआ शुभारंभ

बीपीएस न्यूज

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर उत्तर प्रदेश के अन्तर्गत आचार्य विद्यासागर सुधासागर जैन शोधपीठ का शुभारंभ वीरांगना लक्ष्मीबाई सभागार में किया गया। दो सत्रों में कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रथम सत्र में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि असीम अरुण (समाज कल्याण मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार), विशिष्ट अतिथि - प्रो0 मणींद्र अग्रवाल,निदेशक, आईआईटी कानपुर, अध्यक्षता कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक, प्रति कुलपति प्रो0 सुधीर अवस्थी, कुलसचिव डा0 अनिल यादव,प्रदीप जैन, सुधींद्र जैन,अरविंद जैन, राकेश जैन,राजीव जैन की उपस्थिति रही। मंगलाचरण वीरेन्द्र जैन शास्त्री हीरापुर, राहुल जैन शास्त्री द्वारा किया गया। कुलपति ने कहा जैन दर्शन पर अधिक से अधिक शोध होना चाहिए। जैन धर्म के अनुसार आहार-चर्चा का डायबिटीस पर अनुकूल प्रभाव पड़ता है, इस पर शोध किए जाने की आवश्यकता है ।प्रो0 मणींद्र अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत का प्राचीन साहित्य जिसे जैन दर्शन में आगम कहा गया है, वह पांडु लिपियों के रुप में इधर-उधर विखरा पड़ा है, यह पीठ उसको एकत्र कर ओसिआर टेक्नांलॉजी के माध्यम से संरक्षित करने का काम करेगी तथा,आईआईटी कानपुर के साथ मिलकर इन प्राचीन साहित्यों के आपसी सम्बन्धों को ए.आई. टेक्नोलॉजी के माध्यम से स्थापित करने का कार्य करेगी जोकि भविष्य के शोध के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि होगी ।असीम अरुण ने कहा विश्व गुरु बनने से पहले हम विश्व शिष्य बने।

हम अपनी रिसर्च की जबरजस्त मार्केटिंग भी करें, जिससे हम इस रिसर्च को जन-जन तक भेज सकें। उन्होंने कहा कि जैन धर्म हमें त्याग और तपस्या का रास्ता दिखाता है ।द्वितीय सत्र में सभापति प्रो फूलचंद जैन प्रेमी वाराणसी, अतिथि वक्ता - डॉ श्रेयांस कुमार जैन बड़ौत (अध्यक्ष, अ भा. दि. जैन शास्त्री परिषद) ने जैन सिद्धांत वर्तमान परिप्रेक्ष्य में सर्वाधिक प्रासंगिक पर अपना वक्तव्य दिया, और जैन पीठ के कार्यों को योजना पर भी मार्गदर्शन दिया। अतिथि वक्ता डॉ0 आशीष जैन आचार्य शाहगढ़ (राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त) ने जैन आगम की प्रमुख भाषा प्राकृत के विस्तार एवं शोध की आवश्यकता पर अपना व्याख्यान दिया। प्राकृत भाषा जन-जन की भाषा है, इसमें मधुरता है। प्राकृत भाषा में रचित जैन साहित्य के संग्रह की महती आवश्यकता है तथा इसके हिन्दी अनुवाद की भी व्यवस्था तकनीकी के माध्यम से की जानी चाहिए ।तत्पश्चात पवन जैन दीवान ने सभी का परिचय दिया और जैन पीठ समिति द्वारा सभी आगंतुक विद्वानों का सम्मान किया गया। डॉ0 अंगद सिंह द्वारा शोध कार्यों की आवश्यकता पर महत्त्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया। सभापति प्रो0 फूलचंद जैन द्वारा जैन पीठ को विधिवत संचालन के लिए अनेक सुझाव प्रदान किए ।जैन पीठ के अध्यक्ष सुमित जैन शास्त्री कानपुर ने मंच संचालन किया। आभार प्रदर्शन वीरेन्द्र जैन शास्त्री द्वारा किया गया।

आरटीई में प्रवेश नहीं देने पर एक्शन में डीएम कानपुर

डीएम ने कहा कि एससी/एसटी एक्ट में मुकदमा लिखवाया जाएगा, ये स्कूल आरटीई के तहत एडमिशन देने में फिसड्डी

बीपीएस न्यूज

कानपुर। राइट टू एजुकेशन (आरटीई) के तहत प्राइवेट स्कूल पूरी तरह मनमानी पर उतारु हैं। बुधवार को डीएम ने 16 स्कूलों के प्रिंसिपल और प्रबंधकों को समीक्षा बैठक के लिए बुलाया, लेकिन 6 स्कूल से कोई भी बैठक में नहीं पहुंचा। इस पर डीएम ने संबंधित स्कूलों नोटिस जारी करने को कहा। डीएम राकेश कुमार सिंह ने बैठक में स्कूल प्रबंधकों को स्पष्ट कहा कि अभिभावकों से ठीक तरह से व्यवहार करें। आरटीई के प्रवेश से सम्बन्धित कार्यों के लिए किसी संजीदा व्यक्ति को काम सौंपा जाए। कोई भी विद्यालय बच्चों के प्रवेश के लिए मना नहीं कर सकता है, न ही अपने स्तर से कोई सत्यापन का कार्य करा सकता है।

6 स्कूल से कोई भी बैठक में नहीं पहुंचा

यूनाइटेड पब्लिक स्कूल, सिविल लाइन्स, हलीम मुस्लिम पब्लिक स्कूल चमनगंज, जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल कल्यानपुर, कैम्ब्रिज हाइस्कूल स्काई लॉक सिविल लाइन्स, एस्कार्ट वर्ल्ड स्कूल केशवपुरम से कोई भी जिम्मेदार बैठक में नहीं पहुंचा। गुस्साए डीएम ने स्कूलों पर कड़ी कार्रवाई करने को कहा है ।स्कूल खुलते ही सभी खंड शिक्षा अधिकारी स्कूलों में एडमिशन दिलाने का काम करेंगे। एडीएम न्यायिक की अध्यक्षता में कमेटी बनाकर कोरोना काल में 15 प्रतिशत फीस समायोजन से सम्बन्धित शासनादेश का अनुपालन सुनिश्चित कराया जाएगा।

एससी/एसटी एक्ट में दर्ज हो मुकदमा

डीएम ने कड़े निर्देश देते हुए कहा कि अलाभित समूह के बच्चों का प्रवेश न लिए जाने पर एससी/एसटी एक्ट में स्कूलों के खिलाफ मुकदमा लिखाया जाएगा। बैठक में ऐसे 16 स्कूलों को बुलाया गया, जिन्होंने कम एडमिशन लिए और या तो एक भी एडमिशन नहीं लिए। दूसरे वार्ड के स्कूल में भी

एडमिशन कराया जा सकताबैठक में स्कूलों ने बच्चों को स्कूल के वार्ड का न बताकर एडमिशन न देने का हवाला दिया। इस पर डीएम ने बताया कि आरटीई के शासनादेश में बच्चे को आउट ऑफ वार्ड दर्शाकर प्रवेश से इंकार नहीं किया जा सकता है। यदि कोई बच्चा जिस वार्ड में रहता है, वहां पर आरटीई योजना में शामिल कोई स्कूल नहीं है तो दूसरे वार्ड के स्कूल में भी एडमिशन कराया जा सकता है।

कई अभिभावकों ने डीएम से शिकायत की थी कि कुछ स्कूलों ने आरटीई के तहत एडमिशन तो दे दिया, लेकिन उन बच्चों को स्कूलों में अलग से क्लासेस संचालित की जा रही हैं। डीएम ने ऐसे स्कूलों को कड़े निर्देश दिए कि अगर ऐसी शिकायत दोबारा मिली तो मुकदमा दर्ज कराया जाएगा। एडमिशन न देने वाले स्कूलों की मान्यता भी छिनी जाएगी।

एजुकेशन सिस्टम पर बीजेपी का कब्जा: राहुल गांधी

हर परीक्षा में धांधली जारी, छात्रों के साथ हो रहा खिलवाड़

नीट विवाद और यूजीसी-नेट परीक्षा रद्द होने को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा है। राहुल ने तंज भरे लहजे में दावा किया कि कहा जा रहा था कि मोदी जी ने रूस-यूक्रेन युद्ध रोक दिया। लेकिन कुछ कारणों से नरेंद्र मोदी भारत में पेपर लीक को नहीं रोक पाए हैं या रोकना नहीं चाहते हैं। उन्होंने कहा कि पेपर लीक होने का कारण यह है कि शिक्षा व्यवस्था पर भाजपा की मातृ संस्था का कब्जा हो गया है। जब तक इसे उलटा नहीं किया जाएगा, पेपर लीक होते रहेंगे। मोदी जी ने इस कब्जे को आसान बना दिया है। यह एक राष्ट्रविरोधी गतिविधि है। कांग्रेस नेता ने कहा कि ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि हमारी सभी संस्थाओं पर कब्ज़ा कर लिया गया है। हमारे कुलपतियों की नियुक्ति योग्यता के आधार पर नहीं की जाती है। बल्कि इसलिए क्योंकि वे एक खास संगठन से जुड़े हैं। और इस संगठन और भाजपा ने हमारी शिक्षा व्यवस्था में घुसकर उसे नष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी ने नोटबंदी से अर्थव्यवस्था का जो हाल किया, वही अब शिक्षा व्यवस्था का किया है। ऐसा होने का कारण और आप पीड़ित होने का कारण यह है कि एक स्वतंत्र, उद्देश्यपूर्ण शिक्षा प्रणाली को ध्वस्त कर दिया गया है। यह बहुत महत्वपूर्ण है कि जो लोग यहां दोषी हैं उन्हें कानून के दायरे में लाया जाए और उन्हें दंडित किया जाए।यह पूछे जाने पर कि क्या वह संसद में ह्रश्वश्वञ्ज मुद्दा और यूजीसी-नेट परीक्षा रद्द करने का मुद्दा उठाएंगे, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी कहते हैं,हां, हम इस मुद्दे को संसद में उठाएंगे। कांग्रेस का दावा है कि देश में पिछले 5 साल में 43 भर्ती परीक्षाओं का पेपर लीक हुआ है।

बीते गंगा दशहरा पर विशेष

सद्गतिदायनी माँ गंगा की दुर्गति क्यों: आचार्य धीरज याज्ञिक

(ज्योतिष वास्तु धर्मशास्त्र एवं वैदिक अनुष्ठानों के विशेषज्ञ)

खखैचा प्रयागराज उत्तर प्रदेश। माँ गंगा के अवतरण दिवस गंगा दशहरा पर हरिद्वार,काशी,प्रयाग सहित देश के सभी गंगा घाटों पर सरकार,हिन्दू संगठनों, तीर्थ पुरोहितों तथा आम जनमानस द्वारा दस दिवसीय,एक दिवसीय धार्मिक आयोजन किया गया भक्तों खूब स्नान दान,पूजन किया करना भी चाहिए क्योंकि पुण्य सलिला माँ गंगा जी का महात्म्य अनिर्वचनीय है। गंगा जी का अवतरण पाप नाश तथा परोपकार के लिये हुआ है।गंगाजल वाकई में अमृत है,हिमखंडों से सतत प्रवाहित जल वनौषधियों का सार ग्रहण कर कीटाणु रहित माना जाता है।

धर्म शास्त्रों की मान्यता है कि गंगास्नान से कई जन्मों के पाप ताप नष्ट हो जाते हैं तो क्या वास्तव में हम इसी आस्था से गंगास्नान,दान,पूजन, धार्मिक आयोजन करते हैं?

यदि हाँ तो आइए स्वयं से कुछ प्रश्न करें व इनके उत्तर ढूँढे-1- यदि गंगा हमारी माता हैं तो इतने समझदार होकर भी हमारे द्वारा उनके आँचल (तटों) में मल मूत्र त्याग क्यूँ ?2- यदि गंगा में स्नान से सारे पाप कर्मों का क्षय होता है तो गंगा में नाले प्रवाहित कर हम उनकी ही क्षय करने पर क्यों उतारू हैं?

गंगा तट पर मृत व्यक्ति के अंतिम संस्कार के साथ मृत व्यक्ति की दवाओं, बिस्तर, एक्सरे और कपड़ों का विसर्जन कहाँ तक उचित है?

4- गंगा जी मन का मैल धुलने के लिए हैं कि आपके कपड़ों और शरीर की?

5- एक देव के पूजन के बाद अवशेष सामग्री गंगा जी में डालना कहाँ का विवेक है?

6- जिस गंगा में हम पाप धोने जाते है उसी गंगा में दातून, ब्रश करना, दंतधावन, पानी मे कुल्ला करना, थूकना, प्लेट, पॉलीथिन फेकना, मुंडन के बाद उतरे केशों को गंगा मैया में डालना क्या जीवनदायिनी के साथ हमारी कृतघ्नता नही है?

इसपर विचार करके ही हम माँ गंगा का अवतार दिवस गंगा दशहरा का पर्व मनाने और माँ गंगा के प्रति भाव पुष्प अर्पित करने के अधिकारी हैं।

प्रधानमंत्री मोदी अचानक पहुंचे वाराणसी में बन रहे स्टेडियम में, किया स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निरीक्षण

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को किसान सम्मान सम्मेलन, दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती और काशी विश्वनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद निर्माणाधीन वाराणसी स्टेडियम और खेल परिसर का औचक दौरा कर वहां चल रहे कार्यों का जायजा लिया।प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया, काशी में डॉ. संपूर्णानंद खेल स्टेडियम की प्रगति की समीक्षा की। यह स्टेडियम और खेल परिसर काशी के युवाओं की बहुत मदद करेगा। आगामी खेल सुविधा के दौरे के दौरान प्रधानमंत्री के साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी थे। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा साझा की गई तस्वीरों में उन्हें खेल परिसर के मॉडल पर अधिकारियों के साथ बातचीत करने के अलावा अन्य सुविधाओं का निरीक्षण करते हुए देखा जा सकता है। ऐसा प्रतीत होता है कि खेल सुविधाएं विश्व स्तरीय मानकों के अनुरूप फ्लडलाइट्स और हरे-भरे मैदानों के साथ विकसित की जा रही हैं। हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनावों में वाराणसी से हैट्रिक बनाने के बाद प्रधानमंत्री मोदी का अपने निर्वाचन क्षेत्र का यह पहला दौरा था।सूचना विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि काशी विश्वनाथ मंदिर में पूजा अर्चना के बाद मंगलवार को रात्रि प्रवास के लिए बनारस रेल इंजन कारखाना (बीएलडब्ल्यू) के अतिथि गृह रवाना होने के दौरान प्रधानमंत्री मोदी अचानक सिगरा स्टेडियम पहुंचे और वहां इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद थे।

अधिकारियों ने बताया कि कुल 66782.4 वर्ग मीटर के क्षेत्र में बने इस स्टेडियम में सभी तरह के इंडोर और आउटडोर खेलों का आयोजन हो सकेगा। बीते कई वर्षों से उत्तर प्रदेश खेल विभाग की जमीन पर बना डॉ संपूर्णानंद सिगरा स्टेडियम खस्ताहाल पड़ा हुआ था। एक अधिकारिक बयान में कहा गया, ''डबल इंजन की सरकार पूर्वांचल के खिलाड़ियों को निखारने के लिए काशी में 'नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' स्टेडियम का निर्माण करा रही है।'' बयान के अनुसार स्टेडियम में लगभग सभी खेल आयोजित होंगे और सभी खेलों के खिलाड़ियों को प्रशिक्षण मिलेगा। इसमें बैडमिंटन, हैंडबॉल, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, टेबल टेनिस, वेटलिफ्टिंग, स्क्वैश जैसे 20 से अधिक इनडोर खेल खेलने की सुविधा होगी। स्टेडियम के पहले चरण का काम पूरा हो चुका है। दूसरे और तीसरे चरण का काम जुलाई तक पूरा होना प्रस्तावित है।

HERSHEY S के चॉकलेट सीरप में निकला 'मरा हुआ चूहा', महिला ने शेयर किया वीडियो

एक महिला को हर्षे के चॉकलेट सिरप की बोतल में कथित तौर पर मरा हुआ चूहा मिलने पर बहुत झटका लगा, जिसे उसने ज़ेप्टो के ज़रिए ऑनलाइन ऑर्डर किया था। प्रमी श्रीधर ने इस घटना को एक वीडियो में रिकॉर्ड किया, जो वायरल हो गया है, जिसके बाद कन्फेक्शनरी कंपनी ने इस पर प्रतिक्रिया दी। अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में प्रमी ने लिखा, मेरे ज़ेप्टो ऑर्डर में चौंकाने वाली खोज। यह आपकी जानकारी के लिए है कि आप सभी अपनी आँखें खोल लें। जैसा कि क्लिप में देखा जा सकता है, उसने एक चम्मच पर थोड़ा सिरप डाला और कथित तौर पर उसमें कुछ बाल मिले।

फिर, प्रमी ने सीलबंद ढक्कन खोला और सिरप को एक कप में डाला, जिसमें उसे एक मरा हुआ चूहा मिला। उसके परिवार के किसी सदस्य ने भी जो पाया उसे धोया और वे यह जानकर हैरान रह गए कि यह वास्तव में एक मरा हुआ चूहा था।

प्रमी ने अपनी पोस्ट में कहा हमने ब्राउनी केक के साथ खाने के लिए ज़ेप्टो से हर्षे का चॉकलेट सिरप ऑर्डर किया था। हमने केक के साथ डालना शुरू किया, लगातार छोटे बाल पकड़े, खोलने का फैसला किया। उद्घाटन सीलबंद और बरकरार था। हमने इसे खोला और डिस्पोजेबल गिलास में डाला, जिसमें एक मोटा और सख्त मृत चूहा नीचे गिरा। पुष्टि के लिए बहते पानी में धोने पर पता चला कि यह मरा हुआ चूहा है।

इस घटना को लेकर सोशल मीडिया यूजर्स भी उतने ही गुस्से में हैं। एक यूजर ने कहा, आप इसके लिए उन (हर्शी) पर मुकदमा कर सकते हैं और खाद्य सुरक्षा विभाग को रिपोर्ट कर सकते हैं।卐 कई अन्य लोगों ने प्रमी से हर्षे के खिलाफ शिकायत करने को कहा क्योंकि यहां ज़ेप्टो की कोई गलती नहीं है। यह निर्माता की समस्या है। अगर उत्पाद की सील बंद है, तो ज़ेप्टो इसके लिए जिम्मेदार नहीं है।

एक अन्य टिप्पणी में लिखा है पिछले कुछ दिनों से, मैं इतनी सारी अस्व' छ प्रथाओं को देखकर भयभीत हूँ कि मैंने इतने सारे पैके 'ड उत्पादों का उपयोग करना बंद कर दिया है और केवल स्वस्थ और गैर-पैके 'ड उत्पाद खाना शुरू कर दिया है। मुझे उम्मीद है कि भविष्य में मैं इसे पूरी तरह से बंद कर सकती हूँ। हमारी पुरानी पीढ़ी सिर्फ इसी वजह से स्वस्थ जीवन जीती थी। साझा करने के लिए धन्यवाद।उनकी पोस्ट ने एक बार फिर खाद्य सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है- हम कैसे पता लगा सकते हैं कि उत्पाद में कुछ गड़बड़ है? अब मेरे लिए शाकाहारी बनने का समय आ गया है।

हर जरूरतमंद को इलाज के लिए मिलेगी भरपूर आर्थिक मदद : सीएम

गोरखपुर। लोकसभा चुनाव के दौरान आचार संहिता प्रभावी रहने के कारण मार्च से स्थगित मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जनता दर्शन कार्यक्रम को रविवार को गोरखपुर में आयोजित हुआ जिसमें उन्होंने लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और उनके निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।रविवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गयी। इसके पहले लखनऊ के सरकारी आवास में मुख्यमंत्री ने जनता की समस्याएं सुनीं थीं। गोरखपुर में पिछला जनता दर्शन लोकसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होने से पहले नौ मार्च को हुआ था।बयान के अनुसार रविवार सुबह जनता दर्शन में काफी संख्या ऐसे लोग थे जो गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे। मुख्यमंत्री ने सभी को आश्वस्त किया कि सरकार इलाज में भरपूर मदद करने के लिए तत्पर है और हर जरूरतमंद को इलाज के लिए मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से भरपूर मदद दी जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों के अनुमानित चिकित्सीय खर्च की रिपोर्ट तैयार कर शासन को जल्द से जल्द उपलब्ध कराई जाए और जिन पात्र लोगों के आयुष्मान कार्ड नहीं बने हैं, उनके आयुष्मान कार्ड बनवाए जाएं। गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान योगी ने करीब ×50 लोगों की समस्याएं सुनीं और समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण तथा संतुष्टिपरक समाधान के निर्देश अधिकारियों को दिए। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और इत्मीनान से उनकी बात सुनने के बाद उनके प्रार्थनापत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित किया। मुख्यमंत्री ने सभी लोगों को भरोसा दिलाया कि सबकी पीड़ा दूर की जाएगी। जनता दर्शन में पुलिस और राजस्व से जुड़ी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी जिले स्तर पर ही समस्या का समाधान सुनिश्चित करें ताकि लोगों को परेशान न होना पड़े।उन्होंने हिदायत देते हुए कहा, ''जनसमस्याओं के निस्तारण में हीलाहवाली अक्षम्य होगी। हरव्यक्ति की समस्या का पूरी प्रतिबद्धता और पारदर्शिता से न्यायोचित समाधान शासन-प्रशासन की सर्वों च प्राथमिकता होती है और इसमें किसी ने भी लापरवाही की तो उसे दंड का भागी बनना पड़ेगा। इसलिए अधिकारी संवेदनशीलता से लोगों की समस्याओं को सुनें और गुणवत्तापूर्ण, त्वरित समाधान सुनिश्चित करें।

एक ओर लालू यादव से टिकट मांगने पहुंचीं बीमा भारती, उधर बेटे को गिरफ्तार करने घर पहुंच गई पुलिस

व्यवसायी गोपाल यादुका की हत्या के आरोपी बेटे राजा कुमार की तलाश में पुलिस मंगलवार की सुबह राजद नेत्री बीमा भारती के घर पहुंची। बताया जा रहा है कि राजा ने बिजनेसमैन की हत्या के लिए 5 लाख रुपये की सुपारी दी है। पुलिस ने राजद नेता के बेटे राजा को गिरफ्तार करने के लिए उनके घर की तलाशी ली, लेकिन वह वहां नहीं मिले। इस बीच, बीमा एक महिला अधिकारी के बिना एक महिला के घर में प्रवेश करने के लिए पुलिस के खिलाफ खड़ी है।राजद नेता ने कहा कि पुलिस राजनीतिक दबाव में काम कर रही है और उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्रशासन जानबूझकर उन्हें और उनके परिवार को परेशान कर रहा है। व्यवसायी की हत्या के मामले में पुलिस ने एक शूटर को भी गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से हत्या में प्रयुक्त बाइक भी बरामद कर ली गई है। बताया जाता है कि गिरफ्तार आरोपी ने राजा कुमार के नाम का खुलासा किया और पुलिस को बताया कि हत्या के बाद राजा कुमार ने बासा पर पार्टी आयोजित की थी और शूटरों को पैसे दिये थे।

आज सुबह में मीरगंज और रघुवंशनगर थाने की पुलिस पूर्व विधायक के पूर्णिया स्थित आवास पर पहुंची। खबरों के मुताबिक गिरफ्तार अपराधियों ने पुलिस अधिकारी के सामने अपना गुनाह कबूल कर लिया है।

मामला भवानीपुर में दिनदहाड़े व्यवसायी गोपाल यादुका की हत्या से शुरू होता है। तब राष्ट्रीय जनता दल (राजद) समेत कई राजनीतिक दलों ने इस घटना को लेकर सरकार पर हमला बोला था। बीमा भारती पांच बार की विधायक हैं जो इस साल अप्रैल में जनता दल (यूनाइटेड) छोड़ने के बाद राजद में शामिल हो गईं। उनके पति, अवधेश मंडल, जो कई आपराधिक मामलों वाला एक कथित गैंगस्टर था, हाल ही में जेल से रिहा हुआ था।

उन्होंने पूर्णिया से लोकसभा चुनाव लड़ा लेकिन पप्पू यादव से हार गईं। वह रूपौली विधानसभा क्षेत्र से फिर से चुनाव लड़ने वाली हैमंगलवार को राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव और बेटे तेजस्वी यादव से मुलाकात के तुरंत बाद पुलिस की टीमें उनके घर पहुंचीं। उन्होंने कहा कि मैं आपको बता दूं कि मैं तब तक लड़ती रहूंगी जब तक मैं जीवित हूं और कोई भी ताकत मुझे डरा नहीं सकती। उन्होंने दावा किया कि उसे मामले में झूठा फंसाया गया है। उन्होंने कहा कि मेरे पति अवधेश मंडल 10 दिन पहले जेल से छूटे हैं और अब मेरे बेटे को फंसाया जा रहा हैज मेरे जद-यू छोड़ने के बाद सरकार प्रतिशोधी हो गई है।

बीजेपी नेता किरीट सोमैया का दावा

आईपीएस अधिकारी की पत्नी की कंपनी को 46 लाख रुपये रिश्वत दी गई

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता किरीट सोमैया ने रविवार को आरोप लगाया कि विज्ञापन कंपनी के निदेशक भावेश भिंडे ने तत्कालीन राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) आयुक्त की पत्नी की कंपनी को 46 लाख रुपये की घूस दी थी, जिन्होंने वह होर्डिंग लगाने की अनुमति दी थी जो पिछले महीने यहां गिर गया था। सोमैया ने 'एक्स' पर सिलसिलेवार पोस्ट कर यह भी दावा किया कि इगो मीडिया प्राइवेट लिमिटेड (जहां भिंडे निदेशक था) ने मुंबई के घाटकोपर और दादर इलाकों में ''दो दर्जन अवैध होर्डिंग'' लगाने के लिए विभिन्न रेलवे पुलिस और बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के अधिकारियों को पांच करोड़ रुपये दिए थे। पूर्व भाजपा सांसद ने कहा कि उन्होंने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को एक पत्र लिखकर उनसे तत्कालीन राजकीय पुलिस आयुक्त कैसर खालिद को ''घाटकोपर होर्डिंग घोटाले'' के लिए निलंबित करने का अनुरोध किया। पुलिस के अनुसार, मुंबई के घाटकोपर इलाके में आंधी और बेमौसम बारिश के दौरान 13 मई को एक विशाल होर्डिंग गिरने से 17 लोगों की मौत हो गयी और 70 से अधिक अन्य लोग घायल हो गए। एक वरिष्ठ अधिकारी ने पहले बताया था कि जिस जमीन पर होर्डिंग लगा था उसका कब्जा राजकीय रेलवे पुलिस के पास है और तत्कालीन जीआरपी आयुक्त कैसर खालिद ने एम/एस इगो मीडिया प्राइवेट लिमिटेड को 10 साल के लिए एक पेट्रोल पम्प के पास होर्डिंग लगाने की अनुमति दी थी। होर्डिंग गिरने की घटना की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित किया गया है। सोमैया ने रविवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में दावा किया, ''घाटकोपर होर्डिंग त्रासदी।

पुलिस की एसआईटी ने 46 लाख रुपये की घूस के सबूत और बैंक की प्रविष्टियां हासिल की। भावेश भिंडे ने मोहम्मद अरशद खान के जरिए कैसर खालिद (रेलवे पुलिस आयुक्त) को 46 लाख रुपये दिए थे। मोहम्मद अरशद खान ने यह 46 लाख रुपये महापात्रा गार्मेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के खाते में जमा कराए।'' उन्होंने बताया कि महापात्रा गार्मेंट्स प्राइवेट लिमिटेड की स्थापना 20 जून 2022 को कैसर खालिद की पत्नी सुमन कैसर खालिद और मोहम्मद अरशद के. खान ने की थी। सोमैया ने आरोप लगाया, ''इगो मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के भावेश भिंडे ने 2022/23 के दौरान इस कंपनी को 46 लाख रुपये दिए थे।'' उन्होंने बताया कि घाटकोपर होर्डिंग हादसे के सिलसिले में अबतक पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

जीभी हिल स्टेशन की हसीन वादियों में

3 दिन के लिए बनाएं घूमने का प्लान

कई लोग हिमाचल प्रदेश की हसीन वादियों में घूमने का प्लान बनाते हैं। आपको बता दें कि हिमाचल की हसीन वादियों में कई ऐसी खूबसूरत और मनमोहक जगहें मौजूद हैं, जहां पर गर्मी के मौसम में घूमने का अपना ही मजा होता है।घूमना-फिरना आखिर किसे पसंद नहीं होता है। इसलिए जब भी लोगों को ऑफिस या काम से छुट्टी मिलती है, तो घूमने के शौकीन लोग ट्रिप प्लान करके घूमने निकल जाते हैं। जब भी किसी हसीन जगह पर घूमने की बात होती है, तो कई लोग हिमाचल प्रदेश की हसीन वादियों में घूमने का प्लान बनाते हैं। आपको बता दें कि हिमाचल की हसीन वादियों में कई ऐसी खूबसूरत और मनमोहक जगहें मौजूद हैं, जहां पर गर्मी के मौसम में घूमने का अपना ही मजा होता है। हालांकि घूमने जाने से पहले अगर आपको उस जगह के बारे में पूरी जानकारी होती है, तो ट्रिप के दौरान किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता है। ऐसे में अगर आप भी कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आप दिल्ली से 3 जीभी घूमने का प्लान बना सकते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको जीभी घूमने के बारे में पूरी जानकारी देने जा रहे हैं, जैसे आप कहां रुक सकते हैं, जीभी कैसे जाएं और यहां पर किन-किन जगहों को एज्सप्लोर कर सकते हैं।

ऐसे जाएं जीभी-दिल्ली से जीभी की हसीन वादियों में पहुंचना बहुत आसान है। दिल्ली से जीभी तक आप हवाई मार्ग, ट्रेन, बस या पर्सनल गाड़ी से भी जा सकते हैं।

हवाई मार्ग-जीभी का सबसे नजदीकी हवाई अड्डा कुल्लू है। आप दिल्ली से पहले कुल्लू हवाई अड्डा जाएं। फिर लोकल टैक्सी या कैब लेकर जीभी की हसीन वादियों में पहुंच सकते हैं। कुल्लू हवाई अड्डे से जीभी की दूरी 60 किमी है।

ट्रेन मार्ग- जीभी का सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन शिमला है। दिल्ली से बस पकड़कर कालका जाएं, फिर कालका से ट्रेन के जरिए शिमला पहुंचे। शिमला रेलवे स्टेशन से लोकल टैक्सी या कैब के जरिए आप जीभी पहुंच सकते हैं। शिमला से जीभी की दूरी 150 किमी है।

सड़क मार्ग-दिल्ली में स्थित कश्मीरी गेट से जीभी के लिए बसें चलती हैं। दिल्ली से शिमला के लिए बस पकड़ लें। फिर शिमला बस स्टैंड से लोकल बस लेकर जीभी की हसीन वादियों में पहुंच सकती हैं। बता दें कि दिल्ली में मजनू का टीला से भी जीभी के लिए बस चलती है।

कहां रुकें- जीभी हिमाचल का एक बेहद खूबसूरत और फेमस हिल स्टेशन है। यहां पर अक्सर पर्यटक घूमने के लिए आते हैं। यहां पर आपको रुकने के लिए होटल, रिसॉर्ट, विला और कॉटेज आजि आसानी से मिल जाएंगे। अगर आप सस्ते में स्टे करना चाहते हैं, तो वाइल्डवुड होम, शाइनिंग स्टार होमस्टे, ट्री हब, मैडपैकर्स होटल और जंगल वैली जैसे होटल में रुक सकते हैं। इसके अलावा आप इकोर रिवरसाइड रिसॉर्ट्स, कैवल्य- लक्ज़री रिट्रेट या मंदुक्य विलास में रूम बुक कर सकते हैं।

जीभी वॉटरफॉल-जीभी में स्थित जीभी वॉटरफॉल सबसे ज्यादा फेमस और लोकप्रिय पर्यटन स्थल है। यह वॉटरफॉल घने जंगलों के बीच में स्थित है और बेहद अद्भुद दृश्य प्रस्तुत करता है। बहुत सारे लोग गर्मी के मौसम में यहां पर वॉटरफॉल के नीचे नहाने के लिए पहुंचते हैं। वहीं बारिश के दिनों में इस वॉटरफॉल की खूबसूरती चरम पर होती है।

जालोरी दर्रा-जालोरी दर्रा जीभी से करीब 12 किमी की दूरी पर स्थित है। यह एक विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है। यहां पर हर रोज हजारों देशी और विदेशी पर्यटक पहुंचते हैं। प्रकृति प्रेमियों के लिए यह जगह स्वर्ग से कम नहीं है।

चन्नी फोर्ट-इसके अलावा आपको जीभी से कुछ दूरी पर स्थित चन्नी फोर्ट को एक्सप्लोर कर सकते हैं। इस फोर्ट को लकड़ी के इस्तेमाल से बनाया जाता है। बताया जाता है कि यह फोर्ट 1500 साल पुराना है और इस फोर्ट के नीचे एक भूमिगत सुरंग भी है।

लाखों श्रद्धालु पहुंचे चारधाम की यात्रा पर, भीड़ कम होने का नाम नहीं ले रही

चारधाम यात्रा को शुरु हुए 24 दिन हो गए है। हालांकि, धामों में दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ कम नही हो रही है। रिपोर्ट के अनुसार अब तक चारधामों और हेमकुंड साहिब के 15.67 लाख श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। गौरतलब है कि यात्रा की शुरुआती 10 दिन में जहां दर्शन करने वालों की संख्या 5.69 लाख से अधिक थी।

वहीं 14 दिन में 9.97 लाख से ज्यादा ने दर्शन किए हैं। बता दें, 10 मई और हेमकुंड साहिबा की यात्रा 25 मई से शुरु हुई। मगर, चारधाम यात्रा के शुरुआती 10 दिन में केदारनाथ, बदरीनाथ, गंगोत्री व यमुनोत्री धाम में 5.9 लाख अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किए।घंटों तक जाम लग रहा है धामों में दर्शन के लिए भीड़ बढ़ने और यात्रा मार्गों पर घंटों जाम लगने से सरकार व प्रशासन को काफी मशक्कत करनी पड़ी। भीड़ नियंत्रित करने के लिए सरकार ने ऑफलाइन पंजीकरण पर भी रोक लगाई थी। वहीं, 1 जून से फिर से आफलाइन पंजीकरण खोल दिए गए। यात्रा मार्गों में अब जाम की पहली जैसी स्थिति नहीं है।

मानसून में जरुर घूमने जाएं टैगोर हिल, जानें इसकी खासियत

अगर आप भी झारखंड की खूबसूरती देखने के लिए रांची जाने की सोच रहे हैं, तो आप परिवार, दोस्त या पार्टनर के साथ टैगोर हिल जरुर पहुंचना चाहिए।झारखंड में घूमने के लिए कई सुंदर जगहें हैं। झारखंड भारत का प्रमुख राज्य में से एक है। यह राज्य बेहद लोकप्रिय है। झारखंड में सबसे सुंदर और आकर्षित घने जंगलों के लिए पूरे भारत में प्रसिद्ध माना जाता है। इसे वनों की भूमि के नाम से भी जाना जाता है। झारखंड पहले बिहार में था, जिसे अलग किया गया था।इस राज्य में अलग-अलग स्थलों की खूबसूरती देखने को मिलती है। वहींस इसकी राजधानी रांची की खूबसूरती भी खूब प्रचलित है। इस लेख में हम आपको झारखंड की राजधानी में मौजूद टैगोर हिल्स की खूबसूरती के बारे में बताने जा रहे हैं।

टैगोर हिल कहां स्थित है ?- टैगोर हिल रांची शहर के किस हिस्से मौजूद है। यह बहुत ही खूबसूरत हिल्स रांची में टैगोर हिल अल्बर्ट एक्का चौक से करीब 3 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। समुद्र तल से करीब 300 फीट की ऊंचाई पर मौजूद टैगोर हिल को रांची शहर के आसपास स्थित सबसे ऊंची चोटी माना जाता है, जहां हर समय आपको पर्यटक घूमने हुए दिखाई दे देंगे।

टैगोर हिल की खासियत-इस हिल की सबसे बड़ी खासियत जानने के बाद यकीनन आप भी घूमने पर मजबूर हो जाएंगे। टैगोर हिल की सबसे ऊंची चोटी से रांची शहर का आधा नजारा दिखाई देता है। यहां पर प्राकृतिक सौंदर्य का अद्भुत नजारा दिखाई देता है। यहां खूबसूरत नजारा देखकर आपका मन खुश हो जाएगा। टैगोर हिल की चोटी से सूर्योदय और सूर्यास्त का नजारा देखने के लिए हर दिन हजारों पर्यटक पहुंचते हैं। यहां पर एक प्राचीन मंदिर भी मौजूद है, जो पर्यटकों को खूब आकर्षित करता है। मानसून में इस हिल की खूबसूरती चरम पर होती है।यह जगह ट्रेकिंग के लिए भी काफी फेमस है। लेकिन, यहां की ट्रेकिंग अधिक लंबी नहीं है, लेकिन हिल्स की सबसे ऊंची चोटी तक पहुंचने के लिए 1-2 किमी की ट्रेकिंग करनी पड़ती है।

डेविड जॉनसन की चौथी मंजिल से गिरकर हुई मौत, भारतीय क्रिकेट जगत में पसरा मातम

बेंगलुरु। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज और कर्नाटक के रणजी खिलाड़ी डेविड जॉनसन की अपने अपार्टमेंट की चौथी मंजिल की बालकनी से गिरने के कारण मौत हो गई। कर्नाटक रा'य क्रिकेट संघ (केएससीए) के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। वह 52 वर्ष के थे और उनके परिवार में पत्नी और दो ब'चे हैं। जॉनसन अपने घर के पास में ही क्रिकेट अकादमी चला रहे थे लेकिन पिछले कुछ समय से अस्वस्थ थे।

केएससीए के अधिकारी ने कहा,हमें बताया गया कि वह अपने अपार्टमेंट की चौथी मंजिल से गिर गए थे। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जॉनसन ने भारत की तरफ से दो टेस्ट मैच खेले। उन्होंने कुल ×9 प्रथम श्रेणी मैच खेले। वह कर्नाटक की उस मजबूत गेंदबाजी इकाई का हिस्सा थे जिसमें अनिल कुंबले, जवागल श्रीनाथ, वेंकटेश प्रसाद और डोडा गणेश शामिल थे। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज अनिल कुंबले ने एक्स पर अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, मेरे क्रिकेटर साथी डेविड जॉनसन के निधन की खबर सुनकर दुख हुआ। उनके परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना। बहुत जल्द चले गए'बेनी'। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने भी अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, हमारे पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज डेविड जॉनसन के परिवार और मित्रो के प्रति गहरी संवेदना। खेल में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। 16 अक्टूबर, 1971 को जन्मे जॉनसन अपनी तेज गेंदबाजी और खेल के प्रति अटूट जुनून के लिए जाने जाते थे। डेविड जॉनसन ने अपने पर्दापण टेस्ट मैच में वेंकटेश प्रसाद के साथ गेंदबाजी की शुरुआत की थी। इसके बाद जॉनसन दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर गए और पहला टेस्ट खेला। जॉनसन की लेथ-लाइन उतनी सटीक नहीं थी, इस कारण उन्हें भारत के लिए केवल दो टेस्ट मैच खेलने का मौका मिला।

ऋषभ पंत का बतौर विकेटकीपर कमाल, एक साथ तोड़ा दिग्गजों का कीर्तिमान

ऋषभ पंत ने अफगानिस्तान के 3 खिलाड़ियों का कैच पकड़ा और एक साथ एडम गिलक्रिस्ट, मैथ्यू वेड, जोस बटलर, स्कॉट एडवर्ड्स और दासुन शनाका का रिकॉर्ड तोड़ दिया। पंत ने टी20 वर्ल्ड कप म2024 के अब तक हुए मैचों में कुल 10 कैच पकड़े हैं और वो अब वर्ल्ड कप टूर्नामेंट के एक सीजन में सबसे ज्यादा कैच लेने वाले खिलाड़ी बन गए।टी20 वर्ल्ड कप 2024 के सुपर 8 मुकाबले में भारत ने अफगानिस्तान की टीम को 47 रन से हराया और इस मैच में ऋषभ पंत ने बतौर विकेटकीपर 3 कैच पकड़कर एक वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किया। भारत और अफगानिस्तान के इस मैच में अफगानिस्तान के सभी 10 खिलाड़ी कैच आउट हुए जिसमें से 3 कैच पंत ने लपके। पंत के अलावा इस मैच में रविंद्र जडेजा ने 3 कैच लपके। पंत के अलावा इस मैच में रविंद्र जडेजा ने 3, रोहित शर्मा ने 2 जबकि अर्शदीप सिंह और अक्षर पटेल ने एक-एख कैच लिए। पंत ने इस मैच में विकेट के पीछे कमाल का काम किया और एक साथ 5 खिलाड़ियों के रिकॉर्ड तोड़ डाले।

पंत ने अफगानिस्तान के 3 खिलाड़ियों का कैच पकड़ा और एक साथ एडम गिलक्रिस्ट, मैथ्यू वेड, जोस बटलर, स्कॉट एडवर्ड्स और दासुन शनाका का रिकॉर्ड तोड़ दिया। पंत ने टी20 वर्ल्ड कप म2024 के अब तक हुए मैचों में कुल 10 कैच पकड़े हैं और वो अब वर्ल्ड कप टूर्नामेंट के एक सीजन में सबसे ज्यादा कैच लेने वाले खिलाड़ी बन गए। पंत से पहले ये कमाल गिलक्रिस्ट ने साल 2007, मैथ्यू वेड ने साल 2021, जोस बटलर ने साल 2022, स्कॉट एडवर्ड्स ने साल 2022 और दासुन शनाका ने साल 2022 में ही बतौर विकेटकीपर 9-9 कैच लिए थे। लेकिन अब पंत ने एख सात इन सभी को पीछे छोड़ दिया।

अब होंगे शिक्षकों के समायोजन

शासन ने परिषदीय स्कूलों में शिक्षक और छात्र का अनुपात दुरुस्त करने की कवायद तेज की है

बीपीएस न्यूज

कानपुर। बेसिक शिक्षा विभाग में शिक्षकों के अंतर्जनपदीय पारस्परिक स्थानांतरण के बाद अब उनके समायोजन की तैयारी की जा रही है। इसके प्रस्ताव पर शासन ने मोहर लगा दी है। शासन ने परिषदीय स्कूलों में शिक्षक और छात्र का अनुपात दुरुस्त करने की कवायद शुरू की है। इसमें परिषदीय विद्यालयों में तैनात शिक्षकों को जिले के अंदर समायोजित किया जाएगा जिन परिषदीय विद्यालयों में अध्यापकों की संख्या कम है वहां पर अध्यापकों का समायोजन होगा। जिले के कई ऐसे विद्यालय हैं जो एक शिक्षक या शिक्षामित्रों द्वारा संचालित हो रहे हैं। परिषदीय विद्यालयों में तैनात शिक्षकों को जिले के अंदर समायोजन किया जाएगा ताकि सभी विद्यालयों में शिक्षक छात्रों के अनुपात को ठीक किया जा सके। इसके लिए बेसिक शिक्षा परिषद ने प्रक्रिया शुरू कर दी है हालांकि नगर क्षेत्र के स्कूलों में समायोजन नहीं किया जाएगा जबकि सबसे अधिक शिक्षकों की जरूरत नगर क्षेत्र के स्कूलों में ही है।प्राइमरी स्कूलों में निर्धारित मानक के अनुसार 30 बच्चों पर एक शिक्षक, 45 बच्चों पर दो शिक्षक, 60 बच्चों पर तीन शिक्षक, 75 बच्चों पर चार तथा 90 बच्चों पर पांच शिक्षकों की नियुक्ति होनी चाहिए। देखा जाए तो यह मानक जिले के अधिकांश प्राइमरी स्कूलों में नहीं है।बेसिक शिक्षा अधिकारी ने बताया कि बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा स्कूलों में शिक्षकों का मानक पूरा करने की कवायद शुरू की गई है।इसमें नगर क्षेत्र के स्कूल शामिल नहीं हैं।जल्द ही जिस स्कूल में छात्रों के अनुपात में शिक्षकों की संख्या कम होगी वहां शिक्षक भेजे जाएंगे ।

रेलवे स्टेशन पर पर भी हुआ योग ध्यान

कानपुर। योगा डे के अवसर पर योगाचार्य अंगद सिंह के निर्देशन में कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर रेलवे अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने योग के विभिन्न मुद्राओं, तथा आसनों का अभ्यास किया। इस दौरान आशुतोष सिंह उप मुख्य यातायात प्रबन्धक ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की और अंत में सहायक वाणिज्य प्रबंधक संतोष त्रिपाठी ने योगाचार्य के प्रति रेल परिवार की ओर से धन्यवाद ज्ञापित किया।

जुमला साबित हुआ राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला वारसी का वादा

मैंथा के गाँव गहलों में 2 साल पहले अटल पार्क की घोषणा की लेकिन कुछ नहीं हुआ, अधर में लटका आदर्श तालाब

बीपीएस न्यूज

कानपुर देहात। जनपद कानपुर देहात विकासखंड मैंथा के गाँव गहलों में 17 नवम्बर 2022 को जन चौपाल लगाई गई थी, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला, निवर्तमान मुख्य विकास अधिकारी सौम्या पांडेय व जनपद के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे, जिसमें कई जनकल्याण कारी योजनाओं की घोषणा की गई थी, गहलों जनपद का बड़ा गाँव है। जिसमें चार ग्राम पंचायतों के साथ सप्ताह में दो बार मार्केट लगती है, वहीं महत्वपूर्ण बात यह है कि इस गाँव में देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी की बुआ का गाँव होने के नाते अटल जी को इस गाँव से बहुत लगाव भी था। जन चौपाल के दौरान जनपद के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में बाल विकास एवं पुष्टाहार मंत्री प्रतिभा शुक्ला ने कई जन कल्याणकारी योजनाओं के साथ अटल पार्क आदर्श तालाबब नने की घोषणा की गई थी, जिसमें 18 महीनें बीतने के बावजूद आधा अधूरा बना है अदर्स तालाब जिसमें चारो तरफ गन्दगी का अम्बार लगा है वहीं अटल पार्क एक जुमला साबित होता नज़र आ रहा है।इस बिषय पर स्वराज इंडिया संवाददाता ने राज्यमंत्री जी से बात करनी चाही तो फोन उनके पीआरओ के द्वारा रिसीव कर बताया गया वो अभी ब्यस्त हैं, इसके बाद दो दिन लगातार संपर्क करने की कोशिश की गई बात नहीं हो सकी सीएम के निर्देश भी हवा हवाई साबित हो रहे हैं

पीएनबी अधिकारी संगठन का 18 वां अधिवेशन संपन्न

बीपीएस न्यूज

कानपुर। अखिल भारतीय पीएनबी अधिकारी संगठन कानपुर इकाई का 18 वां त्रिवार्षिक अधिवेशन लाजपत भवन मोतीझील कानपुर में संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पंजाब नैशनल बैंक कानपुर मंडल के प्रमुख प्रेम चंद चौधरी तथा एसोसिएशन के उच्च पदस्थ पदाधिकारी दिलीप साहा महासचिव, श्री कुमार के अध्यक्ष अखिल भारतीय, रविंद्र कुमार तिवारी सहायक महासचिव, वाराणसी अंचल ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का संचालन अतुल सक्सेना अध्यक्ष ने की वही एसोसिएशन के सेक्रेटरी राज कुमार ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। अध्यक्ष ने बताया कि पीएनबी के सहायक महाप्रबंधक गण, मुख्य प्रबंधक गण, एसोसिएशन के पूर्व पदाधिकारीगण, सेवानिवृत साथी, अन्य मंडली से आए अध्यक्ष मंत्री तथा अन्य पदाधिकारी एवं अन्य बैंकों से आए एसोसिएशन के पदाधिकारीगण उपस्थित होकर कार्यक्रम को गरिमा प्रदान कर मैबर ने अपनी 100त्न उपस्थिति के साथ कार्यक्रम को भव्यता प्रदान की। वही इस मौके पर बैंक व्यवसाय वृ ?द्धि, एवं बैंक की प्रगति तथा सम सामयिक विषयों पर मंडल के प्रमुख प्रेम चंद चौधरी मंडल प्रमुख ने अपने विचार रखे ।साथ ही एसोसिएशन के पदाधिकारी रवीन्द्र कुमार तिवारी, श्री कुमार के एवं महासचिव दिलीप साहा ने बैंक की प्रगति में एसोसिएशन के योगदान पर अपने विचार को बताया साथ ही अधिकारी हितों पर विस्तृत जानकारी देते हुए हितों को संरक्षित रखने के लिए अधिकारी एकता रूपी शक्ति को बनाए रखने का मूलमंत्र दिया। इस मंच के माध्यम से प्रबंधन एवं एसोसिएशन के मध्य विचारों का आदान प्रदान हुआ और एक ही मंच से दोनों के साझा लक्ष्य बैंक की प्रगति एवं विकास पर चर्चा हुई। इस मौके पर वाराणसी से आए हमारी एसोसिएशन के पूर्व चेयरमैन, एसोसिएशन की कानपुर इकाई के पूर्व पदाधिकारी एस के पांडेय, अजय पाण्डेय, कपिल मिश्रा, सतीश, प्रभात मिश्रा, अनिल मिश्रा, प्रवीण सक्सेना पूर्व ए जी एस लखनऊ जोन, राजेश शर्मा वर्तमान ए जी एस, मुकेश अरोड़ा, अमर पाल, ओम शरण, मनोज कुमार सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

थाना समाधान दिवस में पहुंचे डीएम और एसपी

कानपुर देहात ।थाना समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक जनपद कानपुर देहात अकबरपुर कोतवाली पहुंचे ।जन-सुनवाई करते हुये थाने पर आये फरियादियों/पीड़ितों को बारी-बारी से सुना गया व उनकी समस्याओं के विधिक, नियमानुसार तथा समयबद्ध तरीके से निस्तारण करने हेतु सर्व-सम्बन्धित को आदेशित/निर्देशित किया गया। इसी क्रम में समस्त क्षेत्राधिकारीगणों द्वारा अपने-अपने सर्किल के थानों पर जन-सुनवाई करते हुये पीड़ितों को न्याय का भरोसा दिलाते हुये प्रार्थना पत्रों के निस्तारण हेतु सर्व-सम्बन्धित को निर्देशित किया गया व थाना दिवस के अवसर पर सभी थाना प्रभारियों द्वारा भी थाने पर आये फरियादियों से उनकी समस्याओं को सुनकर न्याययोचित कार्यवाही करने का भरोसा दिलाया गया।

जेपी हॉस्पिटल नोएडा लीवर ट्रांसप्लांट में सर्वश्रेष्ठ

कानपुर में प्रेस वार्ता का आयोजन कर दी गई जानकारी

बीपीएस न्यूज

कानपुर। उत्तर भारत में प्रमुख स्थान रखने वाले प्रत्यारोपण चिकित्सा में अग्रणी, नोएडा स्थित मल्टी स्पेशियलिटी चिकित्सा संस्थान, जेपी हॉस्पिटल ने लीवर प्रत्यारोपण के बाद एक नई शुरुआत के बारे में प्रेसवार्ता का आयोजन हुआ होटल रिजेंटा में किया। जेपी हॉस्पिटल, नोएडा ने कई लीवर ट्रांसप्लांट करके दुनिया भर में सम्मानजनक स्थान हासिल किया है। सिरोसिस से पीड़ित रोगी केवल कुछ महीनों तक ही जीवित रह सकता है, लेकिन लिवर प्रत्यारोपण के बाद वह सामान्य जीवन जी सकता है। भारत में सिरोसिस के 40त्न रोगियों का मुख्य ज़िम्मेदार शराब है और दूसरा हेपेटाइटिस-सी से संक्रमण है जो की सबसे आम कारण है। डॉ. के. आर वासुदेवन, डायरेक्टर लिवर ट्रांसप्लांट, जेपी हॉस्पिटल, नोएडा ने कहा, क्रोनिक लिवर रोग का सबसे तेजी से बढ़ने वाला कारण फैटी लिवर है। भारत में हर 6 में से 1 व्यक्ति इस बीमारी से पीड़ित है। किसी को शराब का सेवन नहीं करना चाहिए और समय पर हेपेटाइटिस का टीका लगवाना चाहिए ।डॉ. वासुदेवन, लिवर ट्रांसप्लांट सर्जन ने कहा, जब लिवर की बीमारी लाइलाज अवस्था में पहुंच जाती है, तो मरीजों के लिए एकमात्र विकल्प प्रत्यारोपण ही बचता है। सबसे पहले, प्रत्यारोपण के लिए दाता (डोनर) के रूप में परिवार के सदस्यों को प्राथमिकता दी जाती है। कई मरीज़ों को डोनर तो मिल जाता है ।लेकिन उनका ब्लड ग्रुप मेल नहीं खाता, ऐसी स्थिति में दोनों के बीच लिवर प्रत्यारोपण ए.बी.ओ. इंकंपैटिबल विधि के माध्यम से किया जाता है ।प्रथा हॉस्पिटल के प्रबंध निदेशक डॉ. अजीत कुमार रावत ने कहा कि इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि लीवर एक ऐसा अंग है जो प्रत्यारोपण के बाद फिर से विकसित हो जाता है, एक डोनर अपने लीवर का 70त्न दान कर सकता है और सर्जरी के बाद प्राप्तकर्ता और दाता दोनों को अपने सामान्य जीवन में वापस जीवन को जी सकते है।

आरएसएस के करीबी प्रवीण शुक्ला का नाम चर्चा में

सीसामऊ विधानसभा के उप चुनाव में बीजेपी युवा नेता प्रवीण शुक्ला को दे सकती है मौका

अबतक कई नाम आ चुके हैं सामने, जल्द ही उपचुनावों की हो सकती है घोषणा

बीपीएस न्यूज

कानपुर।विधायक इरफान सोलंकी को सजा मिलने के बाद रिक्त हुई सीसामऊ विधानसभा की सीट पर सभी की निगाहें टिक गई हैं। हर दिए नए-नए दावेदारों के नाम सामने आ रहे हैं। इसमें एक प्रमुख नाम प्रवीण शुक्ला का भी सामने आया है। जिनके नाम की चर्चा तेजी से शहर चल रही है।

आरएसएस और भाजपा से उनके परिवार के उच्चस्तरीय संबंध हैं। वह पत्रकारिता के क्षेत्र में लंबे समय तक सक्रिय रहे हैं। मौजूदा समय में कानपुर-बुंदेलखंड में मीडिया संपर्क विभाग के सह संयोजक हैं। वह भाजपा में दूसरी पीढी के कार्यकर्ता हैं। तमाम बडे नेताओं के उनके करीबी संबंध हैं। वहीं, कानपुर से सांसद बने रमेश अवस्थी के चुनाव में वह दिन रात लगे रहे। उनके चुनाव का आंशिक प्रबंधन भी देखा। इसलिए उनकी ओर से मजबूत दावा माना जा रहा है। हालांकि टिकट किसको मिलेगी यह अभी तय नहीं है लेकिन जल्द ही उप चुनाव की घोषणा की जाएगी। वहीं, बीजेपी जातीय समीकरणों के साथ जिताउ प्रत्याशी की तलाश में है।

विधायक के घर खाट बिछाकर दिव्यांगों ने किया प्रदर्शन

दिव्यांगजनों का सरकारी नौकरियों में आरक्षण कोटा पूरा करवाने, सामाजिक समानता की मांग

बीपीएस न्यूज

कानपुर। दिव्यांगजनों का सरकारी नौकरियों में आरक्षण कोटा पूरा करवाने, सामाजिक समानता कानून बनाकर नौकरी, रोजगार, स्वास्थ, शिक्षा, सुरक्षा की सौ फसदी गारन्टी देने की मांग को लेकर राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी सत्ता पक्ष व विपक्ष के विधायकों व सांसदो के कार्यालयों में खाट बिछाकर प्रदर्शन की घोषणा के चलते आज विधायक अमिताभ बाजपेई के आवास पर जोरदार प्रदर्शन किया। राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी द्वारा उठाई गयी मांगों को विधायक अमिताभ बाजपेई ने अगले विधानसभा में उठाने का आस्वाशन दिया।इस दौरान दिव्यांगजन हांथों में तख्ती लिये थे जिसमें लिखा था भिक्षा नहीं रोजगार चाहिए, जीने का अधिकार चाहिए।हम अपना अधिकार मांगते हैं, किसी से भीख नहीं मांगते हैं।राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार ने बताया कि आन्दोलन की शुरूआत विपक्ष व सत्ता पक्ष के विधायको व सांसदों को दिव्यांगजनो के प्रति उनकी जिम्मेदारी का अहसास कराने के लिये किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अभी इस आन्दोलन को कानपुर से शुरू किया गया है, उसके बाद इसे देश व्यापी आन्दोलन बनाया जायेगा। अगली खटिया सत्ता पक्ष के विधायक सुरेंद्र मैथानी के कार्यालय पर 25 जून को बिछेगी।वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि दिव्यांगजन नौकरी, रोजगार, स्वास्थ, शिक्षा, सुरक्षा के लिये घूम रहे है।कोई सुनने वाला नही है।सरकारी विभागों में दिव्यांगजन के रिक्त पद हैं सरकार उन्हें भर नहीं रही है।प्रदेश अध्यक्ष आनन्द तिवारी ने कहा कि दिव्यांगजन के आन्याय के खिलाफ राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी सड़क पर उतर चुकी है । जिला अध्यक्ष राहुल कुमार ने कहा कि सरकार एक हजार रूपया पेंशन देकर हमें बरगलाना चाहती है । सरकार नौकरियों में आरक्षण कोटा पूरा करे, सरकार को पेंशन हम देंगे। आज के

प्रदर्शन में राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार के अलावा जिला अध्यक्ष राहुल कुमार, प्रदेश अध्यक्ष आनन्द तिवारी अल्पना कुमारी, अशोक कुमार, गुड्डी दीक्षित, मनोज त्यागी, जौहर अली, गौरव कुमार, रंजीत सिंह, तृप्ति खरे, अनुराधा गुप्ता, सीमा कुशवाहा, गोमती, याशमीन, सरला, कमलेश कुमार सिंह आदि शामिल थे।

लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन को बूथों पर विजय दिलाने वाले पीडीए कार्यकर्ताओं का माला पहनाकर स्वागत

कानपुर। समाजवादी पार्टी कानपुर महानगर की पदाधिकारियों कार्यसमिति की सदस्यों विधानसभा अध्यक्षो फ्रंटल संगठनों के अध्यक्षो की मासिक बैठक सपा महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद की अध्यक्षता में दिन में सपा कार्यालय साथ नवीन मार्केट परेड में आरंभ हुई।महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने अपने संबोधन में आगे कहा कि समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी को लोकसभा चुनाव में पीडीए कार्यकर्ताओं ने जो अपने अपने बूथों पर ऐतिहासिक जीत दर्ज कराई है उसमें प्रथम चरण 50 पीडीए कार्यकर्ताओं को माला पहनाकर महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने सम्मान किया।सपा महानगर अध्यक्ष हाजीछ फजय महमूद ने अपने संबोधन में कहा कि छात्रों के साथ खिलवाड़ रोका जाए अन्यथा सपा इस पर आंदोलनात्मक कदम पार्टी के आदेश मिलते ही आरंभ करेगी।समाजवादी पार्टी कानपुर महानगर का प्रवक्ता रजत मिश्रा को मनोनीत किया गया।बैठक में प्रमुख रूप से महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद प्रदेश सचिव के के शुक्ला महानगर वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिंटू महानगर महासचिव संजय सिंह बंटी सेंगर,नंदलाल जयसवाल,परमवीर गंभीर,महेंद्र सिंह बड़े ठाकुर,हाजी अयूब आलम,सत्यनारायण गहरवार,रजत मिश्रा,इशरत इराकी,अर्पित त्रिवेदी,अरमान खान,आसिफ कादरी,वरुण जायसवाल,मुमताज मंसूरी,आकाश यादव,संजय निषाद,राजेंद्र जैसवाल,के के मिश्रा, कठेरिया,मालती देवी,अलिशान,नसीम अहमद आदि लोग मौजूद रहे।

मकान जर्जर, फिर भी जमे किरायेदार

बीपीएस न्यूज

कानपुर। बारिश में जर्जर मकान गिरने से हो सकती है बड़ी घटना हो सकती है।

आपको बता दें कि धीरेंद्र यादव ने बताया कि मकान 46/87 खोया बाजार हटिया में है मेरी बुजुर्गी सम्पत्ति है जो की जर्जर हो गई है जो कि गिरने के कगार पर हैं।वही धीरेन्द्र यादव ने जब किरायेदारों से उसके बारे में कहा कि दुकान के ऊपर की दीवार बहुत पुरानी और जर्जर है तो कोई किराए दार खाली करने को तैयार नहीं हुये। धीरेन्द्र ने बताया कि यह जगह मेरे दादा की पुस्तैनी है जिसे मैं जर्जर होने के कारण कोर्ट भी गया लेकिन मेरी कोई सुनवाई नहीं हुई और जितने भी किरायेदार है सबके पास नोटिस भी भेजी गई है लेकिन कोई किरायेदार खाली करने को तैयार नहीं हुआ,मकान जर्जर होने के कारण कभी भी कोई अप्रिय घटना गठित हो सकती है उसमें मेरी कोई जिम्मेदारी नहीं होगी,किराए दार स्वयं ही जिम्मेदार होगा । वही थाना मूलगंज और नगर निगम में भी एप्लीकेशन दे दी थी लेकिन प्रार्थी की कोई भी सुनवाई नहीं हो रही है।

मुस्लिम इलाकों में बिजली चोरी का सरगना बना कामरान

बीपीएस न्यूज

कानपुर।बिजली चोरों से केस्को परेशान है।आए दिन रेड मारकर अभियान चलाता है ताकि बिजली चोरों पर शिकंजा कसा जा सके। मगर जब केस्को कर्मचारी ही बिजली चोरी करवा रहें हो तो ऐसे में केस्को को कैसे सफलता मिलेगी। घर का भेदी लंका ढाए कुछ ऐसा ही हो रहा है केस्को के साथ।

इनपुट है कि केस्को आलू मंडी डिवीजन में आने वाला चीना पार्क केस्को सबस्टेशन में संविदा कर्मचारी कामरान पूरे इलाके में बिजली चोरी करवा रहा है और बिजली चोरी करने के तरह तरह के तरीके भी सिखाता है। यही कारण है कि महीने में लाखों की वसूली करता है। ये सारी सूचना एक केस्को कर्मचारी ने नाम बताने की शर्त पर दी हैं।उसका कहना है कि अगर गोपनीय जांच करा ली जाए तो एक एक बात सही निकल आएगी। ऐसा उस नाम न बताने वाले केस्को कर्मचारी ने बताया।

उससे प्रश्न पूछने पर की तुम ये शिकायत अधिकारीयों से कर सकते हो उसपर उसने जवाब दिया कि ऐसा एक बार कर चुका हूं अधिकारी

नाम लेकर आरोपी से ही बोल देते हैं की तुम्हारी शिकायत फलां कर रहा है और बाद में मुसीबत खड़ी हो जाती है। कमाल की बात तो ये निकली कि जिनसे बिजली चोरी करवाने का महीना लेता है लाइन मैन कामरान उनके परिसरों में छापा पड़ने से पहले

केस्को के आलू मंडी डिविजन में संविदा पर है कर्मचारी कामरान

क्षेत्र में बिजली चोरी करा कर वसूल रहा लाखों रुपए

बिजली रेड अभियान की खबर लीक करने के आरोप

ही अवगत करा देता है।ताकि वो पकड़े न जाएं।इस प्रकार के केस्को कर्मचारी कामरान से केस्को के अधिकारियों को सचेत हो जाना चाहिए नहीं तो केस्को बदनाम होता ही रहेगा और सरकार को राजस्व का नुकसान होता ही रहेगा।

भाजपाइयों ने डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का मनाया बलिदान दिवस

कानपुर। महान शिक्षाविद एवं चिंतक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि को भाजपाईयों ने प्रत्येक बूथ पर बलिदान दिवस के रूप में मनाया। इस मौके पर भाजपाईयों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।

बूथ संख्या 27 पर आयोजित बलिदान दिवस कार्यक्रम में भाजपा युवा मोर्चा कानपुर बुंदेलखंड के पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष विकास दुबे ने उन्हें नमन करते हुए कहा कि महान राष्ट्रभक्त व हम सभी के पथ प्रदर्शक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे का उद्घोष कर भारत की एकता व अखंडता की अक्षुण्णता को प्रखर स्वर प्रदान किया।

भारत की अखंडता के लिए उनके बलिदान और संघर्ष ने कश्मीर और बंगाल को देश का अभिन्न अंग बनाए रखा।डा. मुखर्जी ने अपनी दूरदर्शी सोच से देश में शिक्षा, स्वास्थ्य व औद्योगिक विकास की मजबूत नींव रखने और सामरिक दृष्टि से भारत को सशक्त बनाने में अहम योगदान दिया।कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष गौरव तिवारी ने की। कार्यक्रम के अंत में सभी को प्रसाद वितरण किया गया।प्रमुख रूप से प्रकाश वीर आर्य, राजेश श्रीवास्तव,देवेंद्र सब्बरवाल, राजेश बाजपेई एडवोकेट, डा.समरदीप पांडे,मनोज पाल ,धर्मेंद्र राय,आयुष दीक्षित,एवं विनय मालवीय आदि रहे।

क्रिकेट टेस्ट मैच तो मिला पर ग्रीनपार्क में देख पाएंगे केवल 15 हजार दर्शक

बीपीएस न्यूज

कानपुर। ग्रीनपार्क स्टेडियम को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच की मेजबानी नहीं मिलने का संशय हट गया है, लेकिन दर्शक क्षमता की चिंता अभी भी बरकरार है। ग्रीनपार्क को दर्शक क्षमता के कारण ही मैच नहीं मिल रहे थे। तीन साल बाद टेस्ट मैच की मेजबानी का मौका मिला है, लेकिन टी-20, वनडे मैचों के आयोजन पर अभी भी बादल छाए हैं। यूपीसीए के अनुसार 45 हजार क्षमता वाले स्टेडियम की मौजूदा स्थिति 15 हजार दर्शक क्षमता की है। इसलिए फिलहाल जब तक दर्शक क्षमता नहीं बढ़ती है, टेस्ट मैच का ही आनंद लेना होगा।

यूपीसीए के अनुसार ग्रीनपार्क की दर्शक क्षमता 15 हजार की है। इसी कारण अंतरराष्ट्रीय मैच तो दूर टी-20 मैचों के आयोजन भी नहीं हो पा रहे थे। बीते साल यूपी लीग के दौरान लोक निर्माण विभाग ने जांच कराई तो ग्रीनपार्क की दर्शक क्षमता 22,230 बताई थी। ग्रीनपार्क में आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला 2021 में भारत और न्यूजीलैंड के मध्य टेस्ट मैच के रूप में हुआ था। 2017 में इन्हीं दोनों देशों के बीच आखिरी वनडे और टी-20 भी भारत व इंग्लैंड के बीच खेला गया था।इसके बाद ही लोक निर्माण विभाग ने यूपी टी-20 लीग के दौरान ही दर्शक क्षमता का आकलन किया था।

जांच करने वाले लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता राहुल ने उस समय दर्शक क्षमता 22,230 बताई थी। हालांकि विभाग के अनुसार कई दीर्घाएं जर्जर थीं।

इस हिसाब से क्षमता और कम हो सकती है।दर्शक क्षमता कम होने का कारण स्टेडियम का रखरखाव न होना बताया था।उसी समय यूपीसीए के सीईओ ने क्षमता 20 हजार के करीब बताई थी। यूपीसीए के अनुसार ठीक से 15 हजार की ही दर्शक क्षमता मानी जाए, क्योंकि मैच के दौरान एलईडी लगने से उस गैलरी में दर्शकों का प्रवेश वर्जित हो जाता है। इस कारण पांच हजार की क्षमता कम कर देते हैं।

बी पी एस न्यूज
हिन्दी साप्ताहिक

मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/ 2016/ 66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, सम्पादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502 , व्हाट्सअप 9335908846 email:bps.knp786@gmail.com info@bpsnews.in www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओं की होगी। कृपया कोई भी आपत्ति हो तो 15 दिनों के अंदर भेजें।